राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरूवार 29 जनवरी 2026 वर्ष-9,अंक-06 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रतीक ने अपर्णा यादव के साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'ऑल इज गुड',

चल रही थीं तलाक की खबरें

एजेंसी

लखनऊ। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव ने पत्नी अपर्णा यादव के साथ एक तस्वीर पोस्ट की है जिसमें उन्होंने लिखा, "ऑल इज गुड"। कुछ दिन पहले दोनों के बीच विवाद होने की खबरें आई थीं और प्रतीक ने अपर्णा पर घर तोड़ने का आरोप लगाया था। पहले की गई अपनी पोस्ट में प्रतीक यादव ने अपर्णा यादव को स्वार्थी बताया था और कहा था कि वो अपर्णा को तलाक दे देंगे पर अब उन्होंने सबकुछ ठीक होने का दावा किया है। इंस्टाग्राम की अपनी नई पोस्ट में उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा कि ऑल इज गुड। चैंपियन वो होते हैं जो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल समस्याओं को खत्म कर देते हैं। हम लोग एक चैंपियन परिवार हैं। वहीं, अपर्णा के भाई अमन बिस्ट ने कहा कि दोनों के बीच सब कुछ सही था, कभी कुछ गड़बड़ हुआ ही नहीं था। रिश्ते में मनमुटाव लाने की लोगों की थी साजिश, जो नाकाम रही। बताते चलें कि अपर्णा यादव और प्रतीक की शादी वर्ष 2011 में हुई थी।

बरेली से बाहर भेजे गए अलंकार अग्निहोत्री

समर्थकों ने किया कार रोकने का प्रयास

एजेंसी

बरेली। निलंबित पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार दोपहर 2:18 बजे निजी वाहन से बरेली से बाहर भेज दिया गया। इस दौरान उनके समर्थकों में जबर्दस्त आक्रोश देखने को मिला। समर्थकों ने अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। गुस्साए समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से धक्कामुक्की कर दी। धक्कामुक्की होने से एक इंस्पेक्टर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर समर्थकों को गाड़ी के आगे से हटाया। इसके बाद पुलिस और प्रशासन अलंकार अग्निहोत्री को बरेली से बाहर भेजने में कामयाब रहा। इसके बाद उनके समर्थकों ने रामपुर की तरफ जाने वाले मुख्य मार्ग पर जाम लगाकर नारेबाजी शुरू दी। इससे पहले, बुधवार को सुबह अलंकार अग्निहोत्री सरकारी आवास से निकलकर गेट पर आए थे और मीडिया कर्मियों से खुद को हाउस अरेस्ट होना बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि प्रशासन ने उन्हें आवास के अंदर ही रहने की हिदायत दी है और वह कानून को मानकर अपने आवास में ही रुके।

प्लेन क्रैश में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम

अजित पवार का निधन

विमान में सवार सभी 5 लोग मारे गए, बारामती में लैंडिंग की दूसरी कोशिश में फिसला, जलकर खाक

मुम्बई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का निधन हो गया है। बुधवार सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान उनका चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर समेत 5 लोगों की जान गई। पवार महाराष्ट्र पंचायत चुनाव के लिए जनसभा को संबोधित करने बारामती जा रहे थे। वे मुंबई से सुबह 8.10 बजे रवाना हुए थे। महाराष्ट्र एविएशन डिपार्टमेंट के मुताबिक पायलट ने सुबह 8.45 बजे बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से फिसलकर क्रैश हो गया। इसके तुरंत बाद उसमें आग लग गई। जानकारी मिली है कि लैंडिंग के दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने 'मेडे' कॉल भी नहीं किया था। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस मुंबई से बारामती के लिए रवाना हो गए हैं। उन्होंने आज स्कूलों की छुट्टी और 3 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। पवार का अंतिम संस्कार बारामती में किए जाने की संभावना है। अजित के चाचा शरद पवार बारामती हॉस्पिटल पहुंच गए हैं, जहां सभी शव लाए गए हैं। इधर, एयरक्राफ्ट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो यानी अअक्ह ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसी की एक टीम दिल्ली में विमान की ऑपरेटर कंपनी श्रफ वेंचर्स के ऑफिस पहुंची है। दूसरी टीम बारामती रवाना हो गई है। इस बीच श्रफवेंचर्स ने कहा है कि पायलट को 16 हजार घंटे का फ्लाइंग एक्सपीरियंस था। विमान की को-पायलट के पास 1500 घंटे का एक्सपीरियंस था। कंपनी ने दावा किया कि एयरक्राफ्ट में कोई तकनीकी खामी नहीं थी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की टीम दिल्ली से बारामती के लिए रवाना हो गई है ताकि दुर्घटना वाली जगह का मुआयना किया जा सके और जांच शुरू की जा सके। ब्यूरो की एक टीम दिल्ली में श्रफवेंचर्स के ऑफिस में भी पहुंची है। वहां प्लेन के बारे में जानकारी ली जाएगी।कंपनी के मालिक भी दफ्तर में मौजूद हैं। अजित पवार के प्लेन क्रैश के बाद पश्चिम बंगाल की उट ममता बनर्जी ने अपना दिल्ली दौरा रद्द कर दिया है। ममता ने कहा- "कोई सुरक्षित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सही जांच होनी चाहिए। क्या यह बेवजह डर फैलाना है या कोई साजिश। समय बताएगा। हालांकि, सबसे आसान काम पायलट को दोष देना है, जैसा कि हमने पहले दो मामलों में देखा है।" ममता ने क्या-क्या कहा... अगर ऐसी घटना किसी सीनियर पॉलिटिकल लीडर के साथ हो सकती है, तो यह हमारे सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाती है। मैंने ऐसी खबरें देखी थीं कि ठऊअ में होते हुए वे अपनी राजनीतिक स्थिति को लेकर विचचार कर रहे थे। ऐसी स्थिति में, ये घटनाएं बहुत चिंताजनक हैं। मुझे दूसरी एजेंसियों पर भरोसा नहीं है। वे पूरी तरह से कॉम्प्रोमाइज्ड हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में जांच होनी चाहिए। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बुधवार को राज्य में स्कूल-कॉलेज समेत सभी संस्थानों में छुट्टी घोषित की है। साथ ही 3 दिन के राजकीय शोक की भी घोषणा की गई है।

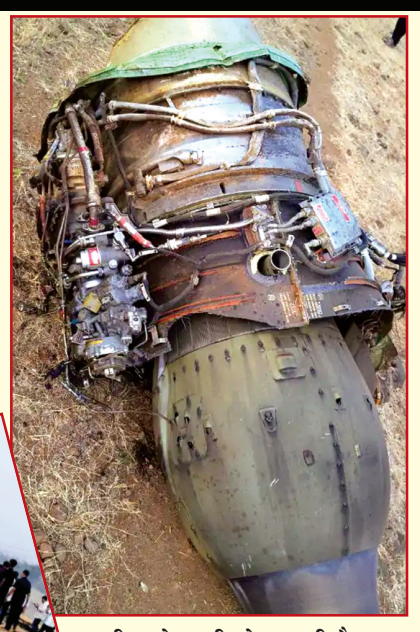

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर भावुक पोस्ट में लिखा, 'बारामती, महाराष्ट्र में हुए दुखद विमान हादसे से बहुत दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजन खो दिए। मैं इस क्षण में शोकग्रस्त परिवारों के लिए शक्ति और साहस की प्रार्थना करता हूं।' पीएम मोदी ने लिखा, 'अजित पवार जी लोगों के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत संबंध था। उन्हें महाराष्ट्र के लोगों की सेवा में मेहनती और समर्पित व्यक्ति के रूप में व्यापक सम्मान मिला। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीब व वंचितों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी उल्लेखनीय था। उनका आकस्मिक निधन बेहद स्तब्ध करने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ॐ शांति।'

योगी के सपोर्ट में अयोध्या जीएसटी डिप्टी कमिश्नर का इस्तीफा, 5 घंटे बाद पुलिस साथ ले गई

एजेंसी

अयोध्या। यूपी में अयोध्या के GST डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार ने मंगलवार दोपहर PM मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी के समर्थन में इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा- शंकराचार्य की सीएम पर की गई टिप्पणी से मुझे बहुत बुरा लगा। इससे मैं आहत हूं। मुख्यमंत्री का अपमान मैं अब बर्दाश्त नहीं कर सकता। 48 साल के प्रशांत कुमार ने इस्तीफे के बाद पत्नी से फोन पर बात की और फूट-फूटकर रोने लगे। कहा- जिसका नमक खाते हैं, उसका सिला अदा करना चाहिए। हालांकि इस्तीफे के बाद वे विवादों में आ गए। वजह-

एक सर्टिफिकेट है। प्रशांत कुमार के भाई विश्वजीत सिंह ने उन पर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बताया- प्रशांत कुमार को दिव्यांग कोटे में नौकरी मिली है। उनका दिव्यांगता सर्टिफिकेट फर्जी है। मामले में जांच चल रही है। शाम करीब साढ़े 5 CDO कृष्ण कुमार सिंह, अउट योगानंद पांडे, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार, रढ सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी प्रशांत कुमार के आफिस पहुंचे। इस दौरान पुलिस बल की तैनाती भी रही। करीब 5 घंटे चली वार्ता के बाद अफसर लौट गए। उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या बात हुई है। अफसर GST डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार को अपने साथ ले गए। उनकी गाड़ी में एक पुलिसकर्मी भी बैठा था। सूत्रों का कहना है कि उन्हें लखनऊ लाया जा रहा है। इससे पहले सोमवार को बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने भी इस्तीफा दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफे की वजह वक्फ का नया कानून और अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पिटाई बताई थी।

गठबंधन के सवाल पर बोले टीवीके उप महासचिव, कहा- अफवाहों पर विश्वास न करें

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसी बीच पार्टियों का नाम अलग-अलग राजनीतिक दलों के साथ जोड़ा जा रहा है। इसपर तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के उप महासचिव राजमोहन ने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया में टीवीके को विभिन्न राजनीतिक दलों से जोड़ने वाली खबरें फैलाई जा रही हैं। इसके साथ ही गठबंधन की अफवाहें भी चल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि ये सभी दावे पूरी तरह से झूठे, निराधार और बिना किसी सबूत के हैं। जनता और पार्टी कार्यकताओं से अनुरोध है कि पार्टी

के रुख और निर्णयों के संबंध में आधिकारिक घोषणा होने तक ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें।राज्य में विधानसभा चुनाव है। ऐसे में वार-पलटवार का दौर जारी है। इस बीच सोमवार (26 जनवरी) को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे आयकर विभाग और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के डर से बना 'ब्लैकमेल गठबंधन' करार दिया।

संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति मुर्मू का संबोधन

45 मिनट स्पीच दी, वीबी- जी राम जी कानून का जिक्र करते ही विपक्ष का हंगामा

एजेंसी

, कानून वापस लो के नारे लगे

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का पहला हिस्सा बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की जॉइंट मीटिंग में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार देश में आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों से निपटने में सफल रही है। राष्ट्रपति ने 45 मिनट की स्पीच में VB-जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस पर विपक्ष ने हंगामा किया और कानून वापस लो के नारे लगाए। उधर, एनडीए सांसदों ने समर्थन में नारेबाजी की। पीएम मोदी और अमित शाह भी मेज थपथपाते नजर आए। बजट सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। यह दो हिस्सों में होगा। पहला हिस्सा 28 जनवरी से 13 फरवरी तक और दूसरा हिस्सा 9 मार्च से 2 अप्रैल तक होगा। इस दौरान कुल 30 बैठकें होंगी। 28 जनवरी और 1 फरवरी को कोई शून्यकाल नहीं होगा। ऑपरेशन सिंदूर की ताकत दुनिया ने देखीः ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना का शौर्य पूरी दुनिया ने देखा है। भारतीय सेना ने आतंकी अड्डों को ध्वस्त किया। मिशन सुदर्शन चक्र पर काम चल रहा है। नई पीढ़ी को पूर्वजों से सीख मिलीः देश ने पिछले दिनों श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, सरदार पटेल की 150वीं और भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह मनाया जब देश अपने पूर्वजों के योगदान को याद करता है, तो नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है, जो विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा को और तेज करती है। भारत दुनिया में सेतु की भूमिका निभा रहाः विश्व आज कठिन कालखंड से गुजर रहा है। लंबे समय से चले आ रहे समीकरण भी बदल रहे हैं। कठिन परिस्थितियों के बीच भी भारत तेजी से विकास की राह पर बढ़ रहा है। इसके पीछे दूरगामी विदेश नीति की भूमिका है। भारत पर दुनिया के देश भरोसा व्यक्त करते हैं। भारत सेतु की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी है। भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज को और मुखरता से तेज किया है। पुराने संबंधों को मजबूती देते हुए नए संबंध भी विकसित किए हैं। ग्लोबल पॉलिटिक्स का अंतिम ध्येय मानवता की सेवा होनी चाहिए। भारत के पास होगा स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशनः देश में वर्तमान में 150 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यूरोपीय संघ के साथ मुक्त समझौते से सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, 'श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया-ह्यभय काहूं को देत नहीं, नहीं भय मानत आन, यानी न हम किसी को डराएं और न ही किसी से डरें। इसी निडर मन और भावना के साथ हम देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

मुंबई में फ्लाई ओवर 4-लेन से 2-लेन हुआ

सोशल मीडिया पर डिजाइन का मजाक बना, कांग्रेस बोली- बीजेपी सरकार में ऐसे जानलेवा चमत्कार आमबात

एजेंसी

मुम्बई। मुंबई के मीरा-भायंदर इलाके में मेट्रो लाइन-9 प्रोजेक्ट के तहत बने नए डबल डेकर फ्लाई ओवर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से बना यह डबल-डेकर फ्लाई ओवर शुरूआत में फोर लेन का है लेकिन आगे चलकर अचानक सिर्फ टू लेन का रह जाता है। सोशल मीडिया पर इसकी डिजाइन को इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना बताते हुए तंज कसा जा रहा है। लोगों ने इसे डेथ ट्रैप और ह्यआसमान में लगने वाला जामह्ल जैसे नाम दिए। लोगों ने कहा कि फोर लेन से अचानक टू लेन में सिमटने के कारण यह फ्लाई ओवर बोतलनेक साबित होगा, जिससे भारी ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) ने किसी भी तरह की डिजाइन खामी से इनकार किया। MMRDA के मुताबिक, फ्लाइओवर का यह लेआउट राइट ऑफ वे की सीमाओं और भविष्य की विस्तार योजना को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने पर

लिखा- महाराष्ट्र में इंजीनियरिंग का चमत्कार। महाराष्ट्र हो या मध्य प्रदेश BJP सरकार में ऐसे जानलेवा 'चमत्कार' आम हो चुके हैं। जनता परेशान हो या हादसों में जान गंवाए, सरकार को रत्ती भर फर्क नहीं पड़ रहा। वहीं शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे ने लिखा कि इससे ट्रैफिक बढ़ेगा। डिजाइन को बेहतर बनाया जा सकता था। अथॉरिटी का कहना है कि फ्लाई ओवर को ट्रैफिक डिस्पर्सल और ट्रैफिक कम करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। इसमें साइनेज, रंबल स्ट्रिप्स और क्रैश बैरियर्स जैसे सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। ट्रैफिक पुलिस के इनपुट के आधार पर आवश्यक बदलाव भी किए जा रहे हैं। MMRDA के अनुसार, मेट्रो-9 का यह डबल डेकर कॉरिडोर कई हिस्सों में बन रहा है। विवादित हिस्सा भायंदर (पूर्व) में दीपक अस्पताल से फाटक रोड तक का करीब 1.5 किलोमीटर लंबा स्ट्रेच है। इसके अलावा रड स्टोन सर्कल से शिवर गार्डन तक का 1.1 किलोमीटर और काशीगांव मेट्रो स्टेशन से साईं बाबा अस्पताल तक का 754 मीटर का हिस्सा पहले ही ट्रैफिक के लिए खोला जा चुका है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अजित पवारः आरोपों से ऊपर उठे राजनीति के 'दादा-पुरुष'

उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे।

(लेखक- ललित गर्ग)

यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पूरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक और स्तब्धता का कारण बन गया। जिस नेता को लोग अधिकार, अनुभव और निर्णय क्षमता का पर्याय मानते थे, उसका इस तरह अचानक चले जाना सत्ता, प्रशासन और राजनीतिक संतुलन में एक बड़ा रिक्त स्थान छोड़ गया है। एक संभावनाओं भरी महाराष्ट्र की राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल महाराष्ट्र के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से सहकारी आन्दोलन को भी गहरा धक्का लगा है। अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं। औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रीढ़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी। 1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बढ़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे। विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। 卐अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें?卐 जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए। शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी अलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला 卐दादा卐 का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले 'दादा' के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उड़ान भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है। अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। यही कारण है कि कोई भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे राजनीतिक सरोकार से ओतप्रोत एक अल्हड़ एवं साहसिक व्यक्तित्व थे।

बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझारु राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे।

आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे, लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए। उनकी राजनीति कठोर थी, लेकिन उसमें अनुभव की गहराई थी। वे लोकप्रियता से अधिक प्रभाव में विश्वास रखते थे। शायद यही कारण है कि उनके जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा सन्नाटा है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है। अजित पवार का जीवन यह सिखाता है कि राजनीति केवल भाषणों और नारों से नहीं चलती, बल्कि निर्णय, जोखिम और जिम्मेदारी से चलती है। उनका जाना एक चेतावनी भी है और एक स्मृति भी, क्योंकि सत्ता क्षणभंगुर है, लेकिन अनुभव और प्रभाव लंबे समय तक याद किए जाते हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में 卐दादा卐 के नाम से पहचाना जाने वाला यह व्यक्तित्व अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है, लेकिन उसकी छाया आने वाले वर्षों तक राज्य की राजनीति पर बनी रहेगी।

संपादकीय

खौफनाक पढ़ाई

पिछले दिनों फरीदाबाद में ठीक से पढ़ाई न कर सकने वाली बच्ची की पिता द्वारा पिटाई करने से हुई मौत की खबर ने हर संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। यह विश्वास करना कठिन है, कोई पिता इतना क्रूर हो सकता है कि महज गिनती न सीख पाने के कारण बच्ची की जान ले ले। यदि इस घटना के पीछे कोई परोक्ष कारण नहीं है तो निश्चय ही यह घटना किसी भी सभ्य समाज के लिये कलंक ही कही जाएगी। यह शर्म की बात ही है कि इस ज्ञान की सदी में किसी बच्ची की पिता के हाथों पढ़ाई के नाम पर मौत हो जाए। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में भी हमारे समाज में मानसिक ग्रंथि की वह गांठ नहीं खुल पाई है, जो मानती है कि डर व मारपीट से बच्चों को सिखाया जा सकता है। ऐसी तमाम घटनाएं आज भी हमारे स्कूलों व घरों तक में सामने आती हैं। यदि स्कूल या कोचिंग में किसी बच्चे-बच्ची के साथ पढ़ाई के नाम पर आक्रामक व्यवहार होता है तो उम्मीद की जाती है कि परिवार उसके साथ मुश्किल समय में खड़ा होगा। लेकिन जब घर में माता-पिता ही हिंसक व्यवहार करने लगें तो मासूम किसके भरोसे रहेगा... कहने को देश में बच्चों के साथ होने वाले किसी भी हिंसक व्यवहार को रोकने के लिये तमाम तरह के प्रावधान सुरक्षा कवच उपलब्ध कराते हैं। लेकिन जब प्रवर्तन एजेंसियां ही उदासीन रहेंगी तो समस्या का समाधान संभव ही नहीं है। पहले तो स्कूलों में ही ऐसे मामलों पर पर्दा डालने की कोशिश की जाती है, फिर यदि मामला पुलिस या संबंधित विभाग के संज्ञान में आता भी है तो उसे रफा-दफा करने के प्रयास तेज हो जाते हैं। ऐसे मामलों में शिक्षक अभिभावक संगठन की भूमिका पर भी सवाल उठते रहे हैं। जिसमें अकसर शिक्षण संस्था के सुर में बोलने वाले अभिभावकों को ही रखा जाता है। आज भी यह एक गंभीर समस्या है और इसके गंभीर समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। यह हमारे समाज की विडंबना ही कही जाएगी कि आज भी यह सोच बलवती है कि बच्चों के साथ सख्त व्यवहार से उनकी पढ़ने-लिखने की क्षमता में वृद्धि होती है। जबकि हकीकत यह है कि किसी भी आक्रामक व्यवहार से बच्चों पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। देश व दुनिया में हुए तमाम शोध व अध्ययन बताते हैं कि बच्चों के साथ सख्त व आक्रामक व्यवहार किए जाने से बच्चों की एकाग्रता व याद दाश्त पर प्रतिकूल असर पड़ता है। उनकी निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। जिसका नकारात्मक असर यह होता है कि बच्चे हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं। परिणाम स्वरूप वे अपनी कक्षा में पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं। कालांतर यह भय व कुंठा जीवनभर उनका पीछा करती है। उनका आत्मविश्वास डिग जाता है। तब वे जीवन की स्पर्धा में भी दब्बू बनकर रह जाते हैं। यह भी विडंबना ही है कि आज भी बच्चों पर पढ़ाई का बोझ थोपने से पहले हमारे यहां किसी तरह का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण नहीं होता है कि बच्चे की अभिरुचि किन विषयों में है। सही मायनों में हर बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। कुदरत उसकी रचना किसी खास मकसद के लिये करती है। लेकिन मां-बाप व शिक्षक पहचान नहीं पाते कि उसका रुझान किस दिशा में है। यदि समय रहते बच्चे की उस प्रतिभा को पहचाना जा सके और उस विषय व दिशा में उसे प्रोत्साहित किया जाए, तो वे अप्रत्याशित रूप से किसी भी क्षेत्र में शिखर की सफलता हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ बच्चे कई तरह के जन्मजात व आनुवंशिक रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं, जो उनकी सामान्य पढ़ाई में बाधक हो सकता है। कई बच्चों में जन्म से ही दृष्टि दोष या कोई अन्य शारीरिक व मानसिक विकार भी हो सकता है, जिसके चलते वे अपनी पढ़ाई को ठीक से पूरा नहीं कर पाते। फलतः उन्हें शिक्षकों व परिजनों के हिंसक व्यवहार का शिकार होना पड़ता है।

साहसी पत्रकारिता से आधुनिक मीडिया तक

(लेखक - सुनील कुमार महला)

29 जनवरी - भारतीय समाचार पत्र दिवस)

हर वर्ष 29 जनवरी को भारतीय समाचार पत्र दिवस (इंडियन न्यूज़पेपर डे) के रूप में मनाया जाता है। यह दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 29 जनवरी 1780 को भारत का पहला समाचार पत्र 'हिक्की का गजट', जिसे 'हिक्कीज़ बंगाल गजट' के नाम से भी जाना जाता है, कोलकाता से प्रकाशित हुआ था। यही कारण है कि इस ऐतिहासिक शुरुआत की स्मृति में 29 जनवरी को भारतीय समाचार पत्र दिवस मनाया जाता है। बहुत से पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह अख़बार न केवल भारत का, बल्कि पूरे एशिया का पहला मुद्रित (प्रिंटेड) समाचार पत्र था। इसका आधिकारिक नाम 'द बंगाल गजट' अथवा 'कलकत्ता जनरल एडवरटाइज़र' था। इसके संस्थापक, लेखक और प्रकाशक थे-जेम्स ऑगस्टस हिक्की। अपनी बेबाक पत्रकारिता, तीखी टिप्पणियों और स्वतंत्र सोच के कारण यह अख़बार आम लोगों के बीच 'हिक्की गजट' के नाम से प्रसिद्ध हो गया। यदि इस दिवस के महत्व की बात करें, तो भारतीय समाचार पत्र दिवस स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करता है। यह दिवस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र की मजबूती और समाज को जागरूक करने में मीडिया की भूमिका का प्रतीक है। दूसरे शब्दों में कहें तो 29 जनवरी पत्रकारिता के इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्यों को नमन करने का दिन है। अब यदि हम बंगाल गजट की विशेषताओं पर नज़र डालें, तो यह अख़बार उस दौर में साप्ताहिक रूप से (हर शनिवार) प्रकाशित होता था। इसकी कीमत एक रुपया थी, जो उस समय के हिसाब से काफी महंगी मानी जाती थी। इस अख़बार की सबसे बड़ी पहचान उसका सरकार-विरोधी रुख था। उपलब्ध जानकारियों के अनुसार, जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने इसकी शुरुआत से ही ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के भ्रष्टाचार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया था।अख़बार के शीर्ष पर छपा वाक्य अपने आप में इसकी विचारधारा को स्पष्ट करता है-एक साप्ताहिक राजनीतिक और व्यापारिक पत्र, जो सभी पक्षों के लिए खुला है, लेकिन किसी के प्रभाव में नहीं है। यह कथन अपने आप में स्वतंत्र पत्रकारिता का घोषणापत्र था।

यह कहना भी ग़लत नहीं होगा कि बंगाल गजट जितना साहसी था, उतना ही विवादास्पद भी। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह अख़बार केवल पारंपरिक 'न्यूज़ पेपर' नहीं था, बल्कि इसमें उस दौर के गॉसिप कॉलम भी प्रमुखता से छपते थे। हिक्की ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों के भ्रष्टाचार, प्रेम संबंधों, निजी पार्टियों और सत्ता के दुरुपयोग से जुड़ी चटपटी व सनसनीखेज़ खबरें प्रकाशित करते थे। जब हिक्की ने तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स और उनकी पत्नी पर टिप्पणी करते हुए भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, तो ब्रिटिश सरकार बौखला गई। परिणामस्वरूप, हिक्की को जेल भेज दिया गया। लेकिन पत्रकारिता के इतिहास में यह एक अनोखा उदाहरण है कि हिक्की ने जेल के भीतर से भी अख़बार लिखना और छपवाना जारी रखा, जब तक कि अंततः अंग्रेजों ने उनका प्रिंटिंग प्रेस ही जब्त नहीं कर लिया।हिक्की के लिए 'आजादी' का अर्थ केवल भारत की आजादी नहीं था, बल्कि वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (फ्रीडम ऑफ स्पीच) और ब्रिटिश सत्ता की तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे थे। इस दृष्टि से वे अपने समय के 'एंटी-एस्टेब्लिशमेंट पत्रकार' कहे जा सकते हैं।

बंगाल गजट में प्रकाशित होने वाले विज्ञापन भी अपने आप में बेहद रोचक और उस दौर की सामाजिक सच्चाइयों को उजागर करते थे। इनमें गुमशुदा कुत्तों, बिकने वाले दासों (जो उस समय की कड़वी हकीकत थी), तथा यूरोप से आए ताज़ा पनीर और शराब जैसे विज्ञापन प्रमुखता से छपते थे।अपनी तीखी लेखनी के कारण हिक्की ने वारेन हेस्टिंग्स से गहरी दुश्मनी मोल ले ली। अंततः मार्च 1782 में ब्रिटिश सरकार ने उनका प्रिंटिंग प्रेस जब्त कर लिया और मात्र दो वर्षों के भीतर यह ऐतिहासिक अख़बार बंद हो गया। हिक्की जैसे साहसी पत्रकार का अंत अत्यंत दुखद रहा। प्रेस जब्त होने के बाद वे पूरी तरह कंगाल हो गए। माना जाता है कि उनकी मृत्यु एक जहाज पर हुई और उनके पास अंतिम संस्कार तक के पैसे नहीं थे।

आज यदि हम वर्तमान समय में समाचार पत्रों की भूमिका पर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट होता है कि समाचार पत्र मनुष्य के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज का दर्पण होते हैं। समाचार पत्र राजनीति, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक, कृषि, व्यापार, खेल, अनुसंधान, अंतरिक्ष, बैंकिंग और सामाजिक विषयों पर गहन, तथ्यपरक और विश्लेषणात्मक सामग्री प्रदान करते हैं। साथ ही बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष सामग्री उन्हें बहुआयामी बनाती है।

आज भले ही हम एआई और सोशल मीडिया-जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), व्हाट्सएप और यूट्यूब के युग में जी रहे हों, फिर भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। डिजिटल माध्यम जहां त्वरित सूचना देते हैं, वहीं समाचार पत्र घटनाओं की पृष्ठभूमि, विश्लेषण और निष्कर्ष प्रस्तुत करते हैं। इसके अलावा, सुबह की चाय के साथ अख़बार पढ़ने का अनुभव आज भी अपने आप में खास है।

इसी महत्व को समझते हुए हाल के वर्षों में हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों ने स्कूलों में अख़बार पढ़ने को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पहले हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्कूलों की प्रार्थना सभा में अख़बार पढ़ने की व्यवस्था की और अब उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी बेसिक और सैकेंडरी सरकारी स्कूलों में इसे अनिवार्य कर दिया है। इसका उद्देश्य बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करना, सामान्य ज्ञान बढ़ाना और आत्मविश्वास के साथ बोलने की क्षमता को सशक्त करना है।

यदि हम अंत में हिक्की के बंगाल गजट और आज के अख़बार युग की तुलना करें, तो यह कहना अनुचित नहीं होगा कि बंगाल गजट शब्दों की पहली चिंगारी था। तब संसाधन सीमित थे, पाठक कम थे, लेकिन साहस असीम था। आज तकनीक उन्नत है, पहुंच व्यापक है, लेकिन भूमिका वही है-सत्ता से सवाल करना, समाज को जागरूक करना और लोकतंत्र की निगरानी करना।अख़बार तब भी सच का आईना था, और आज भी है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

जीना और मरना

जिस भांति हम जीते हैं, उसे जीवन नाममात्र को ही कहा जा सकता है। हमे न जीवन का पता है; न जीवन के रहस्य का द्वार खुलता है। न जीवन के आनंद की वर्षा होती है; न हम यह जान पाते हैं कि हम क्यों जी रहे हैं, किसलिए जी रहे हैं? हमारा होना करीब-करीब न होने के बराबर होता है। किसी भांति अस्तित्व ढो लेते हैं, जीवित रहते हुए मुर्दे की भांति। लेकिन ऐसा भी होता है कि मरते क्षण में भी कोई जीवंत होता है कि उसकी मृत्यु को भी हम मृत्यु नहीं कहते। बुद्ध की मृत्यु को हम मृत्यु नहीं कह सकते हैं और अपने जीवन को हम जीवन नहीं कह पाते हैं। कृष्ण की मृत्यु को मृत्यु कहना भूल होगी। उनकी मृत्यु को हम मुक्ति कहते हैं। उनकी मृत्यु को हम जीवन से और महाजीवन में प्रवेश कहते हैं। उनकी मृत्यु के क्षण में कौन-सी प्राप्ति घटित होती है, जो हमारे जीवन के क्षण में भी घटित नहीं हो पाती। किस मार्ग से वे मरते हैं कि परम जीवन को पाते हैं। और किस मार्ग से हम जीते हैं कि जीवत रहते हुए भी हमें जीवन की कोई सुगंध का भी पता नहीं पड़ता है। जिसे हम शरीर कहें, वह हमारे लिए कब्र से ज्यादा नहीं है, एक चलती-फिरती कब्र। और यह लंबा विस्तार जन्म से लेकर मृत्यु तक, बस आहिस्ता-आहिस्ता मरते जाने का ही काम करता है। ऐसे रोज-रोज और मौत के करीब पहुंचते हैं। हमारी सारी यात्रा मरघट पर पूरी हो जाती है। जीने का सब कुछ निर्भर है जीने के ढंग पर और मरने का भी सब कुछ निर्भर है मरने के ढंग पर। हमें जीने का ढंग भी नहीं आता। बुद्ध जैसे व्यक्ति को मरने का ढंग भी आता है। कृष्ण ने कहा है, ।हे अजरुन, जिस काल में शरीर त्यागकर गए योगीजन, पीछे न आने वाली गति और पीछे आने वाली गति को भी प्राप्त होते हैं, उस काल को, उस मार्ग को मैं तुमसे कहूंगा। इसमें दो-तीन बातें समझ लेनी चाहिए। जिस काल में, जिस क्षण में। बड़ा मूल्य है क्षण का, बड़ा मूल्य है काल का। उस क्षण का जिसमें कोई व्यक्ति मृत्यु को उपलब्ध होता है।

हमारे भीतर भी एक घड़ी है और भीतर भी क्षणों का हिसाब है। भीतरी घड़ी के उस क्षण में-बहुत कुछ निर्भर होता है। क्योंकि जगत में आकस्मिक कुछ भी नहीं है। मृत्यु भी बहुत कारणों से सुनिश्चित है और मृत्यु देखकर कहा जा सकता है कि व्यक्ति कैसे जिया। यदि भीतर की घड़ी, भीतर का समय विचार से भरा हो, वासना से भरा हो, कामना से भरा हो, तो व्यक्ति मरकर वापस लौट आता है। लेकिन भीतर का समय शुद्ध हो, कोई कामना नहीं, तृष्णा का सूत्र नहीं, शुद्ध क्षण हो तो उस क्षण में मरा हुआ व्यक्ति संसार में लौटकर नहीं आता।

विचार मंथन

यूजीसी के नए नियम से बढ़ता असंतोष

(लेखक -सनत जैन)

देशभर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने शिक्षा संस्थानों के लिए जो नए नियम लागू किए हैं, उसको लेकर देश भर में भारी विरोध देखने को मिल रहा है। उच्च शिक्षा व्यवस्था में विश्वास, विचारधारा, सरकार की उपेक्षा जातिगत एवं धार्मिक भेदभाव के कारण पिछले एक दशक से उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र-छात्राओं के बीच में भारी रोष देखने को मिल रहा था। जो नए नियम लागू किए गए हैं उसके बाद उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ने वाले सभी वर्ग के छात्रों में उसकी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। यह उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एक गंभीर सवाल बन चुका है। 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026' के नाम से 13 जनवरी को जो नई व्यवस्था अधिसूचित की गई है, उसका उद्देश्य भले ही कैंपस में भेदभाव खत्म करना बताया जा रहा हो, लेकिन इसके क्रियान्वयन और दायरे को लेकर स्वर्ण वर्ग और सामान्य वर्ग की आशंकाएं गहरा गई हैं। ब्राह्मण वर्ग द्वारा जिस तरह का विरोध प्रदर्शित किया जा रहा है, उसके बाद दिल्ली स्थित उच्च शिक्षा अनुदान आयोग (यूजीसी) के मुख्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई, देश के कई राज्यों में प्रदर्शन, इस्तीफे, प्रतीकात्मक विरोध, चूड़ियां भेजना और सोशल मीडिया पर पक्ष और विपक्ष को लेकर आलोचना और समर्थन यह सभी विरोध के संकेत हैं। इसकी क्रिया और प्रतिक्रिया सीमित दायरे तक नहीं है। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक वरिष्ठ अधिकारी का इस्तीफा और करणी सेना द्वारा भारत बंद की चेतावनी, यह दर्शाती है, मामला अब शिक्षा नीति से आगे सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। नए नियमों के तहत सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में समान अवसर केंद्र गठित किए जाएंगे। इसके लिए एक समिति बनाई जाएगी जिसमें सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व होगा। विशेष शिकायत समितियां, 24 घंटे की हेल्पलाइन और निगरानी तंत्र का प्रावधान किया गया है। इनका मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों से जुड़ी शिकायतों के तुरंत निराकरण के लिए होगा। सरकार और यूजीसी का तर्क है, कि यह कदम इसलिए जरूरी है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जाति आधारित भेदभाव की शिकायतों में भारी वृद्धि हुई है। उच्च शिक्षा संस्थानों में उच्च वर्ग के लोगों द्वारा एसटी, एससी और अन्य वर्ग के छात्रों को प्रताड़ित किए जाने की घटनाएं बढ़ रही थी। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने इस दिशा में मजबूत कानून बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे। उच्च शिक्षा अनुदान आयोग द्वारा जो नए नियम लागू किए जा रहे हैं उनमें सामान्य श्रेणी के खिलाफ झूठी शिकायतें तथा कमेटी में सामान्य वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। असंतोष के पीछे नियमों के उद्देश्य से अधिक उनके स्वरूप और व्याख्या को लेकर है। जनरल कैटेगरी के छात्रों और शिक्षकों का कहना है, इन प्रावधानों में अस्पष्टता है।

शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया एकतरफा है। सामान्य वर्ग के लिए बचाव का कोई मौका नहीं है। विरोध करने वालों का आरोप है, नए नियमों के तहत सवर्ण छात्रों को 'स्वाभाविक अपराधी' की तरह देखा जा रहा है, जिससे कैंपस में भय और अविश्वास का माहौल बन सकता है। झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से बचाव के लिए स्पष्ट सुरक्षा प्रावधानों का अभाव एक बड़ी चिंता है। इसके अलावा एक वर्ग का यह भी मानना है, कि सरकार ने जो नए नियम लागू किए हैं उसमें छात्रों के साथ-साथ शिक्षण संस्थानों को भी दंडित किए जाने का प्रावधान किया गया है। इस तरह की घटनाओं पर सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को मिलने वाले अनुदान और अन्य सहायता को रोक सकता है। इसको लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रबंधन में भी चिंता देखी जा रही है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सरकार का पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है, कि किसी के साथ भेदभाव या अत्याचार नहीं होगा। कानून का दुरुपयोग किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया है, पूरी व्यवस्था संविधान के दायरे में रहेगी। सवाल यह है, क्या आश्वासन पर्याप्त हैं? जब नियम ज़मीनी स्तर पर लागू होंगे, तब संस्थागत समितियों को मिले व्यापक अधिकार कहीं मनमानी का रास्ता तो नहीं खोलेंगे। जिस तरह से एक वर्ग विशेष को संरक्षित करने के लिए जो भी कानून बनाए जाते हैं, इसका दुरुपयोग बड़े पैमाने पर होता है लाभ बहुत कम स्तर पर ही मिल पाता है। इसके पहले जो भी नियम और कानून इस तरह के बने हुए हैं उसके परिणामों को देखते हुए यह आशंका स्वाभाविक है।

शिक्षा का परिसर संवाद, विचार और समान अवसर का स्थान होना चाहिए। उच्च शिक्षा संस्थानों में डर, आरोप-प्रत्यारोप का भेदभाव रोकना निस्संदेह आवश्यक है। पिछले एक दशक में उच्च शिक्षा संस्थानों में एक वर्ग विशेष की विचारधारा को लेकर जो माहौल बनाया गया है, उसके बाद स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली जा रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में विचारों का आदान-प्रदान खुले रूप से होना चाहिए। पिछले 6 दशक से उच्च शिक्षा संस्थानों में विभिन्न विचारधारा के लोगों द्वारा परिसर में एक साथ रहते और पढ़ते हुए एक दूसरे को समझने का अवसर मिलता था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपय 26 पैसे की गिरावट के साथ ही 91.94 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में 11 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.57 पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर में गिरावट और भारत-यूरोपीय संघ के ऐतिहासिक व्यापार समझौते से रुपये को मजबूती मिली। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में नरमी और यूरोप के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापारिक समझौता होने से मिली राहत के कारण रुपया मजबूती के साथ खुला। अंतरबैंक विदेशी विनिमय मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.60 पर खुला। फिर कुछ बढ़त हासिल करते हुए 91.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरते हुए 22 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 91.68 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 96.09 पर रहा।

भारत विमानन क्षेत्र में वैश्विक साझेदार बनने की राह पर: के. राममोहन नायडू

घरेलू मांग पूरा करने देश में विमानन विनिर्माण परिवेश और मजबूत करने की जरूरत

हैदराबाद केंद्रीय विमानन उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने यहां बेगमपेट हवाई अड्डे पर पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान कहा कि भारत विमानन कलपुर्जों और अन्य उत्पादों का वैश्विक निर्यातक बनने की दिशा में कदम उठा रहा है। उन्होंने जोर दिया कि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए देश में विमानन विनिर्माण परिवेश को और मजबूत करने की आवश्यकता है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में शामिल है। घरेलू विमानन कंपनियों ने 1,500 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं, जिससे देश में विमानन क्षेत्र की विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने बताया कि अदाणी समूह और ब्राजील की एम्ब्रेयर कंपनी भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमान विनिर्माण इकाई स्थापित करेंगी। इसके अलावा एचएएल रूस की एक इकाई के साथ मिलकर यात्री विमान बनाने के प्रयास कर रही है। बोइंग और एयरबस भारत से हर साल 2 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के कलपुर्जे और सेवाएं प्राप्त कर रही हैं। नायडू ने बेगमपेट हवाई अड्डे पर चार दिवसीय विमानन शिखर सम्मेलन 'विंग्स इंडिया 2026' में प्रदर्शनी स्टैंड का उद्घाटन किया।

बीपीसीएल 10 वर्ष में एलएनजी की आपू र्ति बढ़ाएगी

नई दिल्ली भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) अगले 10 वर्षों (2026-2035) में द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति बढ़ाने की योजना बना रही है। अधिकारियों के अनुसार कंपनी वर्ष 2026-2029 के लिए प्रति वर्ष चार शिपलोड और 2030-2035 के लिए प्रति वर्ष आठ शिपलोड एलएनजी प्राप्त करना चाहती है। बीपीसीएल ने पिछले साल अबू धाबी की एडीएनओसी गैस के साथ पांच साल का समझौता किया है, जिसके तहत अप्रैल 2025 से कुल 25 लाख टन एलएनजी (40 शिपलोड) मिलने हैं। शुरुआती आपूर्ति धीरे-धीरे बढ़ेगी। कंपनी नए एलएनजी सौदों में मूल्य विभिन्न सूचकांकों के आधार पर तय करेगी।

एस्सार भारत में 100 वैकल्पिक ईंधन एवं चार्जिंग केंद्र स्थापित करेगी

नई दिल्ली एस्सार ग्रीन मोबिलिटी ने देशभर में 100 वैकल्पिक ईंधन और चार्जिंग केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। इस पहल के तहत 30,000 एलएनजी और इलेक्ट्रिक ट्रक तैनात किए जाएंगे। इस विस्तार से माल ढुलाई से होने वाले कार्बन उत्सर्जन में सालाना लगभग 10 लाख टन की कमी आने की उम्मीद है। यह पहल लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को कार्बन मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। एस्सार ने वाहन निर्माण, बेड़ा संचालन और ईंधन भरने के बुनियादी ढांचे को एकीकृत किया है। इससे वाहनों की निरंतर आपूर्ति, ईंधन की उपलब्धता और परिचालन दक्षता सुनिश्चित होगी।

तेजस नेटवर्क्स के शेयर में आई तूफानी तेजी, 324 रुपए पर पहुंचा

मुंबई

टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयर बुधवार को बीएसई में 9 फीसदी बढ़कर 324 रुपये पर पहुंच गए। यह तेजी पिछले एक महीने की गिरावट के बाद आई है, जिसमें शेयर 28 फीसदी से अधिक लुढ़क चुके थे। पिछले तीन महीनों में शेयर लगभग 40 फीसदी टूट चुके हैं। हालांकि, कंपनी का शेयर अब भी अपने ऑल टाइम हाई 1495.10 रुपये (27 जून 2024) से लगभग 77 फीसदी नीचे है। 52 हफ्ते का हाई 948.05 रुपये और लो 294.10 रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में तेजस नेटवर्क्स को 196.55 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड घाटा हुआ, जबकि पिछले साल इसी अवधि में कंपनी को 165.67 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। तिमाही का रेवेन्यू 306.79 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के 2642 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 88 फीसदी कम है। चालू वित्त वर्ष के नौ महीनों में कुल घाटा 697.55 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है और रेवेन्यू में 89 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। भारी घाटा और गिरते रेवेन्यू ने शेयर में लगातार

बिकवाली को प्रेरित किया। अल्पकालिक तेजी तकनीकी सुधार के रूप में देखी जा सकती है, लेकिन लंबे समय में कंपनी की कमजोर फंडामेंटल्स निवेशकों की धारणा पर दबाव डाल रही हैं।

मजबूत मांग से जस्ता की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली हाजिर मांग में तेजी से वायदा कारोबार में जस्ता की कीमत बुधवार को 8.55 रुपये की बढ़त के साथ 332.95 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में जस्ता के फरवरी में आपूर्ति वाले अनुबंधों की कीमत 8.55 रुपये यानी 2.64 प्रतिशत बढ़कर 332.95 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 8,767 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने बताया कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की तेज मांग से प्रतिभागियों के अपने सौदों को बढ़ाया जिससे जस्ता कीमतों में तेजी आई।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कई शहरों में बदलाव

यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 2 पैसे, डीजल 3 पैसे प्र ति लीटर महंगा

नई दिल्ली सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार को सुबह 6 बजे देशभर में पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें लागू कीं। कीमतों का निर्धारण अंतरराष्ट्रीय तेल की दर, डॉलर-रुपया विनिमय, टैक्स और डीलर मार्जिन के आधार पर किया जाता है। ईरान संकट और खाड़ी देशों में तनाव के चलते ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 68 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 62.49 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। इसके परिणामस्वरूप पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी हुई। ब्रेंट क्रूड की कीमतों में करीब 2 डॉलर प्रति बैरल की तेजी आई, जिससे सरकारी तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई। वर्तमान में ब्रेंट क्रूड का भाव लगभग 68 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई का भाव 62.49 डॉलर प्रति बैरल है। देश के अलग-अलग शहरों में ईंधन की कीमतें थोड़ी भिन्न हैं। यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 2 पैसे बढ़कर 94.90 रुपये लीटर और डीजल 3 पैसे बढ़कर 88.01 रुपये लीटर पर पहुंच गया। गाजियाबाद में पेट्रोल 17 पैसे बढ़कर 94.75 रुपये और डीजल 19 पैसे बढ़कर 87.86 रुपये पर बिक रहा है। वहीं, पटना में पेट्रोल 13 पैसे गिरकर 105.47 रुपये लीटर और डीजल 12 पैसे बढ़कर 91.71 रुपये लीटर हो गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 487, निफ्टी 167 अंक ऊपर आया

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 487.20 बढ़कर 82,344.68 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.35 अंक ऊपर आकर 25,342.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौर शीर्ष 30 शेयरों में से केवल 8 शेयर ही नीचे आये। वहीं बचे हुए 22 शेयरों में बढ़त रही। आज बीईएल के शेयर सबसे ज्यादा 8.90 फीसदी बढ़कर 453 रुपये पर पहुंच गए। वहीं इटरनल के शेयर 5 फीसदी चढ़कर 266 रुपये पर आ गए। बजाज फाइनेंस, फिनसर्व, ट्रेंट और पावरग्रिड शेयरों में भी तेजी रही। दूसरी ओर मारुति सुजुकी, सनफार्मा, इंफोसिस, एयरटेल के शेयर नीचे आये।

आज कारोबार के दौरान मिड और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 में 954 अंकों की बढ़त जबकि निफ्टी स्मालकैप 100 में 371 अंकों की तेजी रही। आज बाजार पूंजीकर 453.67 लाख करोड़

रुपये से बढ़कर 459.64 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। जिससे करीब 6 लाख करोड़ का लाभ निवेशकों को हुआ है। बाजार जानकारों के अनुसार शेयर बाजार में तेजी का सबसे बड़ा कारण भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच व्यापार करार रहा है जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। माना जा रहा है कि इस समझौते से निर्यात आधारित सेक्टरों को आगे चलकर फायदा मिल सकता है।

इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। सेंसेक्स 81,892 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में इसमें तेजी देखने को मिली। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,258 अंक पर खुलने के बाद यह 181.40 अंक की बढ़त लेकर 25,356.80 पर ट्रेड कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला।

जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.43 प्रतिशत गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.48 प्रतिशत चढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स लगभग सपाट रहा। अमेरिकी बाजारों में मंगलवार को भी मिश्रित कारोबार हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.41 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.91 फीसदी श्चचढ़ा। वहीं, डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 0.83 फीसदी गिर गया।

पॉपुलर कार रेनाल्ट डास्टर की बुकिंग शुरु.....डिलीवरी मार्च 2026 से

मुंबई

भारतीय एसयूवी बाजार की पॉपुलर कार रेनाल्ट डास्टर अब 2026 मॉडल में नए अवतार में वापसी कर रही है। लंबे समय से प्रतीक्षित इस एसयूवी की बुकिंग 26 जनवरी 2026 से शुरू हो चुकी है। प्री-बुकिंग कराने वाले ग्राहकों को इंट्रोडक्टरी कीमत और प्राथमिकता के साथ डिलीवरी का फायदा मिलेगा। कंपनी के अनुसार, नॉन-हाइब्रिड वैरिएंट की डिलीवरी मार्च 2026 से शुरू होगी, जबकि हाइब्रिड मॉडल दिवाली 2026 के आस-पास आएगा। नई डास्टर का डिजाइन मस्क्युलर और बॉक्सी है, जो इस असली एसयूवी फील देता है। इसमें क्लैमशेल स्टाइल फ्लैट बोनट, आइब्रो शेप एलईडी डीआरएसआर, एलईडी हेडलैंप और फॉग लाइट्स, सामने बुल-बार स्टाइल सिल्वर स्किड प्लेट, बड़े 18-इंच अलॉय व्हील्स और 212एमएम का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। पैनोरमिक सनरूफ, इलेक्ट्रिक टेलगेट, 700 लीटर का विशाल बूट और अनपेंटेड बॉडी क्लैडिंग इस प्रीमियम और रग्ड लुक देते हैं। हिमालयन मॉटिफ वाला मेटल प्लाक, येलो कॉन्ट्रास्ट एलिमेंट्स और डास्टर ब्रांडिंग छोटे लेकिन खास टच हैं।

इंटीरियर में फ्यूचरिस्टिक डैशबोर्ड, ड्यूल स्क्रीन सेटअप, नया स्टीयरिंग व्हील, लेदरेट और वेंटिलेटेड सीट्स, 6-वे पावर एडजस्टेबल सीट्स, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, गूगल बिल्ट-इन और 360-डिग्री कैमरा शामिल हैं। एडीएएस सेफ्टी फीचर्स के साथ 12 अल्ट्रासोनिक सेंसर इसे सेगमेंट में सबसे सुरक्षित बनाते हैं। इंजन विकल्पों में 1.0रुटर्बो पेट्रोल (100 पीएस), 1.3रुटर्बो पेट्रोल (163 पीएस, 280 एनएम) और हाइब्रिड ई-टेक 160 1.8 एल इंजन शामिल हैं। हाइब्रिड में 1.4 किलोप्रतिघंटा बैटरी और 2 इलेक्ट्रिक मोटर्स के साथ 8-स्पीड डीएचटी गियरबॉक्स मिलता है।

भारत-ईयू एफटीए से एल्कोहल सेक्टर में नए अवसर, घटेगा आयात शुल्क

स्पिरिट और वाइन पर शुल्क 150 फीसदी से घटाकर 75 फीसदी किया जाएगा

नई दिल्ली भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से एल्कोहलिक बेवरिज सेक्टर को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यूरोप से आयात होने वाली सभी स्पिरिट और वाइन पर शुल्क 150 फीसदी से घटाकर 75 फीसदी किया जाएगा। भविष्य में चरणबद्ध तरीके से स्पिरिट पर 40 फीसदी और वाइन पर 20 फीसदी शुल्क लाने का लक्ष्य है। इंटरनेशनल स्पिरिट्स एंड वाइंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएसडब्ल्यूएआई) ने समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह दोनों बाजारों के बीच सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाएगा। इंडियन माल्ट व्हिस्की एसोसिएशन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इसे ढांचागत बदलाव करार दिया, जो भारतीय प्रीमियम स्पिरिट्स को यूरोपीय बाजार में अवसर देगा। व्हिस्की अभी भी सबसे ज्यादा बिकती है, लेकिन ब्रांडी, कॉग्नेक और वाइन जैसे प्रीमियम ब्रांड्स अब भारतीय बाजार में आसानी से प्रवेश कर सकेंगे।

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें की जाएंगी शामिल

16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आगामी बजट में वित्तीय आवंटन तय होगा

नई दिल्ली

आगामी बजट में 16वें वित्त आयोग की सिफारिशें शामिल होंगी जिसने पहले ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। आयोग के अध्यक्ष नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया हैं। अन्य सदस्य एनी जॉर्ज मैथ्यू, मनोज पांडा, सौम्या कांति घोष और आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर हैं। आयोग के सचिव ऋत्विक पांडे ने भी रिपोर्ट तैयार करने में भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी रिपोर्ट की प्रति दी गई है। 16वें वित्त आयोग को एक संवैधानिक निकाय के रूप में केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय संबंधों का संतुलन बनाए रखना है। आयोग ने अपनी सिफारिशें 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि को ध्यान में रखते हुए तैयार की हैं। इसमें राज्यों को केंद्र के करों का वितरण, अनुदान सहायता, आपदा प्रबंधन और अन्य वित्तीय प्रावधानों की समीक्षा शामिल है। 15वें वित्त आयोग ने

राज्यों को केंद्र के विभाज्य करों का 41 प्रतिशत हिस्सा देने की सिफारिश की थी। इसमें भार का वितरण जनसंख्या, क्षेत्रफल, जनसांख्यिकीय प्रदर्शन, वन आवरण और राजकोषीय प्रयासों के आधार पर किया गया था। 14वें आयोग ने राज्यों के हिस्से को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया था। केंद्र और राज्यों, खासकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों के बीच करों के वितरण को लेकर अक्सर विवाद रहा है।

2026-27 के बजट को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से तैयार करने की जरूरत: रघुराम राजन

सुधार और निवेश के माध्यम से ही भारत बन सकता है सुरक्षित और मजबूत

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने बुधवार को कहा कि आगामी 2026-27 के केंद्रीय बजट को एक दीर्घकालिक और समग्र दृष्टिकोण के साथ तैयार किया जाना चाहिए ताकि भारत की अर्थव्यवस्था जुझारू, आत्मनिर्भर और तेजी से बढ़ने वाली बने। उन्होंने वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था को बेहद खतरनाक दौर बताते हुए कहा कि सुधार और निवेश के माध्यम से ही भारत सुरक्षित और मजबूत बन सकता है।

राजन ने कहा कि भारत में पहले पंचवर्षीय योजनाएं थीं, लेकिन बजट पूरी तरह से एकीकृत नहीं था। उनका मानना है कि बजट को केवल वार्षिक वित्तीय योजना नहीं बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति के रूप में तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि आंतरिक सुधारों को फिर से शुरू करने का यह सही समय है, ताकि विकास दर स्थिर और सतत बनी रहे। राजन ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश से सकारात्मक अवसर हैं, लेकिन अत्यधिक किसी विदेशी संस्थाओं पर निर्भरता खतरा पैदा कर सकती है। उन्होंने अमेरिका और अन्य देशों के साथ व्यापारिक तनाव के बीच भारत के लिए कुछ समय के लिए आत्मनिर्भरता और आत्मनिरीक्षण को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारत को चीन और पूर्वी एशियाई देशों के साथ सीमा विवाद और वैश्विक निर्भरता के मद्देनजर यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, पश्चिम एशिया और पूर्वी एशिया के साथ आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लानी होगी।

राजन ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत को चीन जैसी अत्यधिक तेज़ वृद्धि की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान समय में स्थिर और सतत वृद्धि अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को निवेश-अनुकूल नीतियों के माध्यम से आर्थिक विकास को और बढ़ावा देना चाहिए।

सोने की कीमतों में उछाल के बीच ज्वेलरी बिक्री में मजबूती

उपभोग-आधारित श्रेणियों ने भी मजबूत प्रदर्शन किया

नई दिल्ली

सोने के दाम हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहे हैं, बावजूद इसके निवेशकों और खरीदारों का आकर्षण कम नहीं हुआ। एक सर्वे के अनुसार, दिसंबर 2025 में ज्वेलरी बिक्री 12 फीसदी बढ़ी जबकि कुल खुदरा बिक्री दिसंबर 2024 की तुलना में 10 फीसदी बढ़ी। यह त्योहारी सीजन और शादी की मांग की निरंतरता को दर्शाता है। दिसंबर में रिटेल वृद्धि पूरे देश में संतुलित रही। पश्चिमी क्षेत्र ने 14 फीसदी, दक्षिण ने 11 फीसदी, उत्तर ने 10 फीसदी और पूर्वी क्षेत्र ने 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। यह दर्शाता है कि मांग का विस्तार एक विशेष क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। उपभोग-आधारित श्रेणियों ने मजबूत प्रदर्शन किया।

बढ़ी हुई सोने की कीमतों के बावजूद दिसंबर में ज्वेलरी में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो शादी से संबंधित मांग को इंगित करता है। यह ध्यान देने योग्य है कि पिछले दो महीनों में सोने की कीमतों में लगभग 30 फीसदी की वृद्धि हुई है, और कुल मिलाकर, खरीद में मात्रात्मक गिरावट आई है। इसके विपरीत, परिधान, सौंदर्य

और कल्याण, और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और आईटी ने महीने के दौरान सिंगल-डिजिट में वृद्धि दर्ज की।

उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और आईटी में केवल 3 फीसदी की वृद्धि हुई, जो स्थगित अपग्रेड चक्र और विवेकाधीन प्रौद्योगिकी खर्च के प्रति सतर्क दृष्टिकोण को दर्शाता है। कपड़ों का सेगमेंट भी सिंगल-डिजिट में रहा, जो ज्यादा वैल्यू-कॉन्शियस कंज्यूमर माहौल और सभी सेगमेंट में प्राइसिंग स्ट्रक्चर के असर को दिखाता है। कपड़ों के लिए मौजूदा जीएसटी फ्रेमवर्क, जिसमें 2,500 रुपये प्रति पीस तक 5 फीसदी टैक्स रेट और इस लिमिट से ज्यादा पर ज्यादा टैक्स लगता है, प्राइसिंग स्ट्रैटेजी, असॉर्टमेंट प्लानिंग और खरीदारी के व्यवहार को प्रभावित कर रहा है, खासकर मिड-टू-प्रीमियम सेगमेंट में। इसने इस कैटेगरी में कीमतों के प्रति ज्यादा संवेदनशीलता और ज्यादा चुनिंदा खरीदारी के पैटर्न में योगदान दिया है।

मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के लांच से पहले लीक हुई तस्वीर लुक और फीचर्स दमदार

मुंबई

मोटोरोला अपने नए स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के लांच की तैयारी कर रही है और लांच से पहले ही फोन का लुक और फीचर्स लीक हुए हैं। लीक हुए फोटो में फोन का सिल्हाउट वेरिएंट (ब्लैक) और कंट्री एयर शेड्स दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा ब्लू, ओरिएंट ब्लू और स्पोर्टिंग ग्रीन कलर वेरिएंट भी लांच होगा। सभी कलर पैंटोन वैलिडेटेड हैं और प्रीमियम लुक देने के लिए डिज़ाइन किया है। रिपोर्ट के अनुसार फोन का बैक पैनल नायलॉन और लिनेन इंस्पायर्ड होगा। डिज़ाइन में ग्लॉसी ग्लास मॉड्यूल मिलेगा, जबकि सिल्हाउट वेरिएंट में चारों तरफ गोल्ड फ्रेम दिया जाएगा। फ्रंट में मिनिमल बेजल्स और सेल्फी कैमरे के लिए होल-पंच कटआउट मिलेगा। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन में 6.78 इंच का क्वॉड-कर्व्ड एमलोयड डिस्प्ले होगा, जिसमें 1.5के रेज़ॉल्यूशन और 144एचजेड रिफ्रेश रेट का सपोर्ट मिलेगा। डिस्प्ले का पीक ब्राइटनेस 5200 निट्स तक हो सकता है। फोटोग्राफी के लिए फोन में 50 मैगापिक्सल का ट्रिपल रियर कैमरा और 32 मैगापिक्सल का फ्रंट कैमरा शामिल है। फोन में स्नैपड्रैगन 7 एस जेन 3 प्रोसेसर, 8जीबी/12जीबी रैम और

256जीबी इंटरनल स्टोरेज के विकल्प मिल सकते हैं। बैटरी 7000एमएएच की होने की उम्मीद है और यह 68वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी रैंकिंग: सूर्यकुमार यादव की टॉप-10 में वापसी, अभिषेक नंबर 1 पर बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी लेटेस्ट आईसीसी टी20आई रैंकिंग में टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में वापस आ गए हैं। वह पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं, न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20आई सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद जिसमें भारत अभी 3-0 से आगे है।

भारतीय कप्तान जो सबसे छोटे फॉर्मेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, उन्होंने दूसरे मैच में 82 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली और 468 दिनों के अपने अर्धशतक के सूखे को भी खत्म किया। सूर्यकुमार ने अगले मैच में भी इस लय को जारी रखा और सिर्फ 26 गेंदों में 57 रन बनाए। भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा ने भी तीसरे टी20आई में 68 रनों की शानदार पारी खेलकर टॉप पर अपनी स्थिति मजबूत की। 929 अंकों के साथ उन्होंने टॉप पर अपनी बढ़त को 80 रेटिंग अंकों तक बढ़ा दिया है।

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी तीसरे ञ्20ढ्ढ में ब्लैककैप्स के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के साथी वरुण चक्रवर्ती ब्लैककैप्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद अभी भी टॉप पर अपनी स्थिति बनाए हुए हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने मौजूदा सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद रैंकिंग में अपनी बढ़त जारी रखी है। हार्दिक एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दुबे पांच स्थान ऊपर चढ़कर ग्यारहवें स्थान पर आ गए हैं।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में 18 स्थान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम 20वें नंबर पर पहुंच गए हैं और वेस्टइंडीज के हार्ड-हिटर ब्रैंडन किंग भी 15 स्थान ऊपर आ गए हैं। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान, साउथ अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश और वेस्टइंडीज के सीमर मैथ्यू फोर्ड गेंदबाजों की रैंकिंग में पांच, आठ और उन्नीस स्थान ऊपर आ गए हैं।

इंग्लैंड की टॉप बैटिंग जोड़ी हैरी ब्रूक और जो रूट ने अपनी टीम को श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने में मदद की। नतीजतन ब्रूक 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, और रूट छह स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 17वें स्थान पर आ गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मुसेट्टी के रिटायर होने से सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। है। जोकोविच इस बार किस्मत से सेमीफाइनल में पहुंचे गये क्योंकि क्वार्टर फाइनल में उनके विरोधी इटली के लोरेंजो मुसेट्टी बढ़त पर थे लेकिन तीसरे सेट में चोटिल होने के कारण उन्हें रिटायर होना पड़ा ऐसे में जोकोविच 13वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गये।

मुसेट्टी ने एकल मुकाबले की शुरुआत अच्छी तरह की थी। उन्होंने पहला सेट 6-4 और दूसरा सेट 6-3 से जीता था। था। मुसेट्टी की तगड़ी सर्विस और बेसलाइन खेल से जोकोविच पर दबाव रहा। इससे जोकोविच दबाव में रहे। पहले सेट में मुसेट्टी ने बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में भी वह बढ़त पर थे और उन्होंने सर्विस ब्रेक के साथ 6-3 से सेट जीत लिया।

हालांकि, तीसरे सेट के तीसरे गेम में मुसेट्टी के दाहिने पैर में चोट लगी और उनकी हड्डी टूट गई। फिजियो से इलाज के बाद वह खेलते रहे पर दर्द बढ़ने के कारण उन्हें मैच से बाहर होना पड़ा। मुसेट्टी के रिटायर होते हीं जोकोविच सेमीफाइनल में पहुंच गए।जोकोविच का सामना अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर और आठवें वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से होगा।

टी20 विश्वकप में कोई टीम भारत के सामने टिक नहीं पायेगी : इरफान पठान

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम अपनी धरती पर होने वाले टी20 विश्कवप को जीतने की प्रबल दावेदार रहेगी। पठान के अनुसार जिस प्रकार के फार्म में भारतीय टीम अभी है उससे कोई भी टीम उसके सामने नहीं टिक पायेगी। पठान ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम ने हाल के समय में खेला है और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज पर कब्जा किया है उससे उसके बुलंद हौंसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी दोनो ही लाजवाब है। ¬टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम का आक्रामक प्रदर्शन देखकर ही अन्य टीमें दबाव में आ जाएंगी। भारतीय टीम ने कीवी टीम के खिलाफ जिस प्रकार तेजी से लक्ष्य का पीछा किया है। उसे पता चलता है कि टीम निडर होकर खेल रही है। साथ ही कहा कि जो भी टीम भारतीय टीम के बीच आयेगी वह ध्वस्त हो जाएगी।

साथ ही कहा कि टीम का लक्ष्य अपनी खिताब बरकरार रखना रहेगा। आज तक मेजबानी करने वाली टीमों ने टी20 विश्व कप नहीं जीता है। इसलिए भारतीय टीम इस बार जीत के साथ ही इस मिथ को भी तोड़ देगी। टीम बड़ जीत दर्ज कर विश्वकप में इतिहास रच देगी। पठान ने कहा है कि भारतीय टीम तकरीबन अपराजेय दिख रही है। ऐसी टीम जिसे हराना लगभग असंभव है। पठान ने कहा, 'इस भारतीय टीम को हराना करीब करीब असंभव सा लग रहा है। उनके खेल को देखकर ऐसा लग रहा है कि जो भी इनके खिलाफ आएगा वो पूरी तरह बिखर जाएगा '

न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के तीसरे टी20 मैच का उदाहरण देते हुए पठान ने कहा कि जब विकेट गिर जा रहे थे तो भी टीम के आक्रामक अंदाज में बदलाव नहीं आया। पठान ने आगे कहा, 'भारतीय टीम का यही आक्रामक अंदाज ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण् अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी टीमों के लिए डरावना रहेगा। भारतीय टीम अविश्वसनीय क्रिकेट खेल रही है। भारतीय टीम विश्व कप से पहले दूसरी टीमों पर दबाव बना रही है।' टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

श्रीकांत ने पाकिस्तान पर कसा तंज , हार से बचने कोई बहाना बनाकर विश्वकप से हटना ही होगा बेहतर

चेनई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले माह भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप के बहिष्कार की धमकी दे रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि उसने अभी विश्वकप में भाग लेने को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है और सरकार के संदेश को इंतजार कर रहा है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि वह विश्वकप में भले ही भाग ले पर भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में शायद ही खेले। इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कप विजेता टीम के सदस्य रहे के श्रीकांत ने पाक टीम पर तंज कसते हुए कहा है कि वह कोई बहाना बनाकर हट जाये क्योंकि अगर वह खेलती भी है तो उसे भारतीय टीम के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ेगी। श्रीकांत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय टीम जबरदस्त लय में है और जो भी टीम बीच में आयेगी उसे हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'पिछले दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम ने 15 ओवर में ही 208 रन बना लिए। वहीं तीसरे मैच में भी टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। ।इसे देखते हुए कई टीमें तो कह रही होंगी- नहीं, हम नहीं आ रहे हैं। आप कप रख सकते हो।'

वहीं पाक को लेकर श्रीकांत ने कहा, मत ही आओ तो अच्छा रहेगा। तुम्हारे पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी भी कह रहे हैं मत जाओ। आप पीटे जाओगे। कोलंबो में लगा सिक्स मद्रास में गिरेगा। सावधान। सबसे अच्छा दूर रहना ही बेहतर होगा। बहाना बना लो और मत आओ। टी20 क्रिकेट में आजकल जिस प्रकार का आक्रामक अंदाज भारतीय टीम ने दिखाया है उसे देखकर कोई भी टीम आने की नहीं सोचेगी।गौरतलब है कि बांग्लादेश के टी20 विश्वकप से बाहर रहने के फैसले के बाद से ही पाक ने भी कई बार टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी है हालांकि एक ओर उसने टीम भी घोषित कर दी है। वहीं पाक मीडिया में अटकलें हैं कि पाकिस्तान भले टी20 विश्व कप का बहिष्कार न करे लेकिन वह 15 फरवरी को भारत के साथ होने वाले ग्रुप मैच का बहिष्कार कर सकता है।टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होने जा रहा है। इसकी संयुक्त मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें 5-5 के कुल 4 ग्रुप में बांटा गया है।

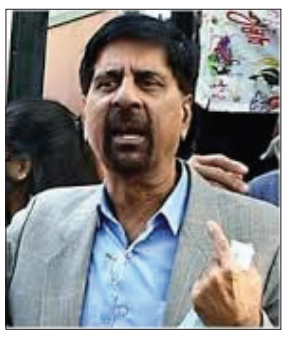

आईसीसी ने बांग्लादेशी मीडिया को नहीं दी भारत में टी20 विश्वकप मैचों के कवरेज की अनुमति

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अगले माह खेले जाने वाले टी20 विश्वकप के भारत में होने वाले मैचों की कवरेज की अनुमति बांग्लादेशी मीडिया को नहीं है।ऐसे में अब बांग्लादेशी पत्रकार इन मैचों को कवर करने भारत नहीं आ सकेंगे।आईसीसी ने विश्व कप 2026 के भारत में होने वाले मैचों को कवर करने के लिए बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन को ठुकरा दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी अधिकारियों ने कहा है कि बांग्लादेश की सरकार और क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नहीं भेजने की बात कही है।इसी को देखते हुए बांग्लादेशी पत्रकारों के वीजा और एक्रेडिटेशन (अधिमान्यता) आवेदन खारिज कर दिए गए हैं।विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से 7 फरवरी से 6 मार्च तक होगा।आईसीसी के अनुसार जब बांग्लादेशी सरकार भारत को सुरक्षित नहीं मानती है तब कैसे उसके पत्रकारों को प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई बांग्लादेशी पत्रकारों ने कहा था कि उन्हे शुरू में 20 और 21 जनवरी को आवेदन मंजूरी वाले ईमेल मिले थे पर बाद में इन्हें रद्द कर दिया गया। वहीं बांग्लादेशी मीडिया कमेटी के चेयरमैन अमजद हुसैन का मानना है कि बांग्लादेश के 130 से 150 पत्रकारों ने अधिमान्यता के लिए आवेदन किया किया था।अमजद ने कहा, सभी बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन को खारिज कर दिया गया था। इस साल करीब 130 से 150 पत्रकारों ने आवेदन किया था पर किसी को भी अधिमान्यता नहीं मिली।एक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, भले ही कोई टीम नहीं खेल रही हो, आईसीसी एसोसिएट सदस्य देशों के पत्रकारों को अभी भी एक्रेडिटेशन मिल सकता है।

टी20 विश्वकप में होप की कप्तानी में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका ।वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है।शाई होप की कप्तानी में टीम इस टूर्नामेंट में उतरेगी। 15 सदस्यीय दल में अनुभवी जेसन होल्डर और रोवमैन पॉवेल को भी शामिल किया गया है।टूर्नामेंट 7 फरवरी से शुरु होगा।इसमें वेस्टइंडीज अपना पहला मैच स्कॉटलैंड से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेलेगी। वेस्टइंडीज ने अपनी टीम में युवा बल्लेबाज़ क्वेंटिन सैंपसन को भी शामिल किया है। सैंपसन ने हाल ही में दुबई में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज़ में टी20 डेब्यू किया था।सैंपसन ने सीपीएल लीग में गुयाना अमेज़न वॉरियर्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाये थे।इस क्रिकेटर ने 9 पारियों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाये थे।टीम में रोस्टन चेस, अकील होसैन और शेरफेन रदरफोर्ड व रोमारियो शेफर्ड को भी शामिल किया गया है।

तेज़ गेंदबाज़ शमार जोसेफ को भी टीम में जगह मिली है।टीम की तेज़ गेंदबाज़ी की कमान शमार जोसेफ के पास रहेगी।उनका साथ जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड और जेडन सील्स देंगे।स्पिनर के तौर पर अकील होसैन के के अलवा रोस्टन चेस और गुडाकेश मोटी रहेंगे।वेस्टइंडीज की टीम में पिछले विश्व कप के 11 खिलाड़ी शामिल हैं।एविन लुईस और अल्ज़ारी जोसेफ को चोट के कारण टीम में जगह नहीं मिली है।

क्विंटन डी कॉक वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ा मुकाम हासिल करने उतरेंगे, मात्र 2 रन की जरुरत

सेंचुरियन (दक्षिण अफ्रीका)।दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक बुधवार से सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टी20आई मैच में टी20 क्रिकेट में 12000 रन के आंकड़े को छूने से सिर्फ दो रन दूर हैं। सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ प्रोटियाज सेंचुरियन में दूसरे टी20आई में विंडीज से भिड़ेंगे। वह पहला टी20आई मैच नहीं खेल पाए थे और हाल ही में खत्म हुए SA20 सीजन में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे डी कॉक फरवरी में टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले अपनी नेशनल टीम के लिए कुछ कीमती गेम प्रैक्टिस करना चाहेंगे।

फ्रेंचाइजी क्रिकेट की विभिन्न लीगों और अपने देश के लिए 429 टी20 मैचों में उन्होंने 429 मैचों और 415 पारियों में 31.24 की औसत से कुल 11,198 रन बनाए हैं जिसमें स्ट्राइक रेट 138 से अधिक है जिसमें 7 शतक और 81 अर्धशतक और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 140* शामिल है।वह इस फॉर्मेट में 11वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। साउथ अफ्रीका के लिए 100 टी20आई में उन्होंने 99 पारियों में 30.78 की औसत और 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 2,771 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम एक शतक और 18 फिफ्टी हैं और बेस्ट स्कोर 100 है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: सिनर खिताबी हैट्रिक के करीब, जोकोविच भाग्य के सहारे सेमीफाइनल में पहुंचे

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच किस्मत के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे।

सिनर की लगातार तीसरी खिताबी दौड़

यानिक सिनर ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को 6-3, 6-4, 6-4 से हराया। दो घंटे 23 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिनर ने शुरू से अंत तक नियंत्रण बनाए रखा। वह अब लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर हैं।

चोट ने बदली जोकोविच की किस्मत

नोवाक जोकोविच क्वार्टरफाइनल में इटली के पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ शुरुआती दो सेट 4-6, 3-6 से हार चुके थे। तीसरे सेट में मुसेटी को दाहिने पैर में चोट लग गई, जिसके बाद उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया और अंततः मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह जोकोविच को सेमीफाइनल में एंट्री मिल गई।

'आज मेरा दिन नहीं था' - जोकोविच

मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे मुसेटी के लिए बहुत दुख है। वह आज मुझसे बेहतर खेल रहा था। ईमानदारी से कहूं तो आज मेरा दिन नहीं था, लेकिन टेनिस में कभी-कभी किस्मत भी अहम भूमिका निभाती है।'

सेमीफाइनल की बड़ी टक्कर

पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में अब यानिक सिनर का सामना नोवाक जोकोविच से होगा। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज़ और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।

महिला वर्ग में भी रोमांच

महिला सिंगल्स में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।रयबाकिना ने विश्व नंबर-2 इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराया। पेगुला ने चौथी वरीय अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 से मात दी। दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय एरिना सबालेंका का सामना एलिना स्वितोलिना से होगा।

थाईलैंड मास्टर्स में अश्मिता चालिहा का दमदार वापसी, मेन ड्रॉ में बनाई जगह

पटुमवान (एजेंसी)। भारत की अश्मिता चालिहा ने पटाया में खेले गए दो कड़े क्वालिफाइंग मुकाबले जीतकर थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स मेन ड्रॉ में जगह बना ली। 26 वर्षीय अश्मिता ने अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे की ऊंची रैंकिंग वाली हंग यी टिंग के खिलाफ तीन गेम के रोमांचक मुकाबले से की, जिसे उन्होंने 15-21, 21-12, 21-12 से अपने नाम किया।पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की 87वीं रैंक वाली अश्मिता ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे गेम में पूरा नियंत्रण बनाए रखा और मैच का रुख पलट दिया।उन्होंने इस लय को अंतिम क्वालिफाइंग राउंड में भी बरकरार रखा, जहां उन्होंने कोरिया गणराज्य की किम जूउन को 21-11, 10-21, 21-16 से हराकर मेन ड्रॉ का टिकट पक्का किया। निर्णायक गेम में स्कोर 15-15 की बराबरी पर पहुंचने के बाद अश्मिता ने जबरदस्त धैर्य और आक्रामक खेल दिखाया और लगातार अंक जुटाकर मुकाबला अपने नाम किया।सुपर 300 श्रेणी के इस टूर्नामेंट में क्वालिफाइंग राउंड से आगे बढ़ने वाली वह एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रहीं।डबल्स वर्ग में भारत का सफर जल्दी समाप्त हो गया। पुरुष डबल्स में साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय को मलेशिया की जोड़ी नूर मोहम्मद अजरीन अयूब और टैन वी कियोंग ने 22-20, 22-20 से हराया।महिला डबल्स में रुतपर्णा पांडा और स्वेतापर्णा पांडा को चीन की बाओ ली जिंग और ली यी जिंग से सीधे गेम में हार मिली, जबकि अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम को इंडोनेशिया की फेब्रियाना कुसुमा और मेलिसा पुष्पितसारी ने बाहर किया।इसके अलावा सानिया सिकंदर और रश्मि गणेश भी क्वालिफाइंग राउंड में बाहर हो गईं।सिंगल्स क्वालिफायर में सतीश कुमार और सनीथ दयानंद पुरुष सिंगल्स से बाहर हुए, जबकि श्रेया लेले महिला सिंगल्स मेन ड्रॉ में जगह नहीं बना सकीं।मिक्स्ड डबल्स में मोहित जगलान और लक्षिता जगलान का सफर भी क्वालिफायर में ही समाप्त हो गया।भारत का मेन-ड्रॉ अभियान बुधवार से शुरू होगा, जिसमें मालविका बंसोड़, अनमोल खरब, किरण जॉर्ज और प्रियांशु राजावत अपने-अपने मुकाबलों में उतरेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप : भारत-पाकिस्तान मैच पर सस्पेंस, पीसीबी को एक गलत फैसले से हो सकता है भारी नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम की भागीदारी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। खास तौर पर भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) इस अहम फैसले पर राजनीतिक दबाव, कानूनी जोखिम और संभावित आर्थिक नुकसान को ध्यान में रखते हुए बेहद सतर्कता से विचार कर रहा है। बोर्ड के शीर्ष स्तर पर लगातार बैठकों और सलाह-मशविरे का दौर जारी है, जिससे यह मामला सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रह गया है।

PCB के फैसले पर क्यों बना हुआ है सस्पेंस

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि वह इस शुक्रवार या अगले सोमवार तक टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर सकता है। हालांकि, पूरे टूर्नामेंट के बहिष्कार की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। फिलहाल चर्चा का केंद्र केवल भारत के खिलाफ होने वाला मुकाबला है, जो वर्ल्ड कप का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच माना जाता है। PCB इस बात को भली-भांति समझता है कि एक गलत फैसला क्रिकेट के साथ-साथ देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी असर डाल सकता है।

राजनीतिक और सरकारी स्तर पर मंथन

PCB चेयरमैन मोहसिन नकवी ने हाल ही में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से लंबी बैठक की, जिसमें इस मुद्दे पर सभी संभावित विकल्पों पर चर्चा हुई। नकवी सरकार के शीर्ष नेतृत्व से मार्गदर्शन चाहते हैं ताकि कोई भी कदम उठाने से पहले उसके दूरगामी राजनीतिक और कूटनीतिक परिणामों को समझा जा सके। इसके अलावा, नकवी ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से भी इस मामले पर सलाह ली है, जो दर्शाता है कि यह फैसला सिर्फ खेल प्रशासन का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा बन चुका है।

PCB के भीतर क्या चल रही है चर्चा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, PCB के अंदर भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार एक गंभीर विकल्प के रूप में मौजूद है। हालांकि, यह फैसला पूरी तरह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट में हिस्सा लेता है, तो भारत के खिलाफ खेलने या न खेलने का अंतिम निर्णय शुरुआती दो मैचों के बाद लिया जा सकता है। पाकिस्तान को 7 फरवरी को नीदरलैंड्स और 10 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ अपने पहले दो मुकाबले खेलने हैं।

जीत या हार से बदल सकता है फैसला

सूत्रों के अनुसार, अगर पाकिस्तान अपने शुरुआती दोनों मैच जीत लेता है, तो भारत के खिलाफ मुकाबले का बहिष्कार करने की संभावना मजबूत हो सकती है। लेकिन यह कदम PCB के लिए भारी जोखिम लेकर आ सकता है। भारत-पाकिस्तान मैच न खेलना सिर्फ खेल के लिहाज से नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी बड़ा नुकसान साबित हो सकता है।

ब्रॉडकास्ट डील और कानूनी जोखिम

PCB के कानूनी सलाहकारों ने बोर्ड को आगाह किया है कि इस समय ICC की भारत स्थित ब्रॉडकास्टर जियोस्टार स्पोर्ट्स के साथ करीब 3 अरब डॉलर की डील चल रही है, जो 2027 तक वैध है। अगर भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होता, तो ब्रॉडकास्टर ICC के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है। ऐसी स्थिति में ICC, PCB को नोटिस जारी कर सकता है और सदस्य देशों को मिलने वाली वार्षिक फंडिंग पर भी असर पड़ सकता है।

पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर असर

PCB सूत्रों का मानना है कि यह फैसला सिर्फ एक मैच या एक टूर्नामेंट तक सीमित नहीं है। इससे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि, भविष्य में ICC टूर्नामेंट की मेजबानी की दावेदारी और बोर्ड की स्थिति पर गहरा असर पड़ सकता है। यही वजह है कि PCB जल्दबाजी में कोई कदम उठाने के मूड में नहीं है और हर पहलू को तौलने के बाद ही अंतिम फैसला लेना चाहता है।

महिला प्रीमियर लीग में जेमिमा पर 12 लाख का जुर्माना लगा

नई दिल्ली ।दिल्ली कैपिटल्स को दोहरा झटका लगा है। महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में जहां उसे करीबी मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।वहीं दिल्ली की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स पर 12 लाख का जुर्माना भी लगा है।दिल्ली को गुजरात जायंट्स ने 3 रन से हरा दिया था।वहीं दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा पर धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है।यह जुर्माना धीमी ओवर गति के कारण लगाया गया है।लीग ने यह भी स्पष्ट किया कि इस सत्र में ये जेमिमा की पहली गलती है।इसलिए उनपर केवल जुर्माना ही लगाया गया है।टीम अब तक 7 मैचों में छह अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।इसका नेट रन रेट -0.164 हो गया है।इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद काफी कम हो गयी है। अब प्लेऑफ की संभावना को बनाए रखने के लिए दिल्ली को 1 फरवरी को यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम लीग मुकाबले को हर हाल में जीतना होगा।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर में डॉक्टर बनने का सपना देखने वालों के लिए खुशखबरी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में डॉक्टर बनने का सपना देखने वाले छात्रों के लिए अच्छी खबर है। अब वे भारत की मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन समेत आठ और विदेशी संस्थानों में पढ़ाई कर सकते हैं। सिंगापुर सरकार ने बढ़ती उम्र की आबादी और डॉक्टरों की जरूरत को देखते हुए इन यूनिवर्सिटीज की डिग्री को मान्यता देने का फैसला किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय और सिंगापुर मेडिकल काउंसिल (एसएमसी) ने मंगलवार को एक साझा बयान में यह जानकारी दी। इस फैसले के बाद एक फरवरी 2026 से सिंगापुर में मान्यता प्राप्त विदेशी मेडिकल स्कूलों की संख्या 112 से बढ़कर 120 हो जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि उसने मेडिकल रजिस्ट्रेशन एक्ट 1997 की दूसरी अनुसूची में आठ मेडिकल स्कूलों को जोड़ने के लिए एसएमसी की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है। मणिपाल के अलावा इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया की एडिलेड यूनिवर्सिटी, आयरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ गॉलवे, मलेशिया की यूनिवर्सिटी साइंस मलेशिया, पाकिस्तान का आगा खान यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज, चीन की शिन्हुआ यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर और सिटी सेंट जॉर्ज (यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन) शामिल हैं।

मिनियापोलिस से हट सकते हैं बॉर्डर पेट्रोल कमांडर बोविनो

मिनियापोलिस , एजेंसी। मिनियापोलिस में तैनात वरिष्ठ बॉर्डर पेट्रोल कमांडर ग्रेग बोविनो और कुछ अन्य एजेंट जल्द ही शहर छोड़ सकते हैं। मामले से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, यह वापसी मंगलवार से शुरू हो सकती है। हालांकि आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। बोविनो, ट्रंप प्रशासन के दौरान देशभर में चलाए गए आक्रामक इमिग्रेशन अभियानों का प्रमुख चेहरा रहे हैं। इसी बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टॉम होमन को मिनेसोटा भेजा है, जो अब वहां ढ्ढष्टश्व (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) की कमान संभालेंगे। बोविनो की संभावित वापसी ऐसे समय में सामने आई है, जब बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स द्वारा 37 वर्षीय ढ्ढष्ट नर्स एलेक्स जेफ्री प्रेटी की गोली मारकर हत्या को लेकर भारी आक्रोश है। इस घटना के बाद मिनियापोलिस समेत कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए।

नेपाल चुनाव से पहले पूर्व राजा ज्ञानेंद्र का मधेश दौरा, जनकपुर में पूजा कर दिखाया शक्ति प्रदर्शन

जनकपुर , एजेंसी। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने मार्च में होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव से पहले मधेश क्षेत्र में तीर्थयात्रा की शुरुआत की है। सोमवार को उन्होंने जनकपुर स्थित जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना की, जहां बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। जनकपुर पहुंचने पर ज्ञानेंद्र शाह का जोरदार स्वागत हुआ। उनके साथ परिवार के सदस्य और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के कार्यकर्ता भी थे, जो राजशाही समर्थक नारे लगा रहे थे। जानकी मंदिर के बाद शाह ने लगभग आधा किलोमीटर पैदल चलकर राम मंदिर और कालादेवी मंदिर में भी दर्शन किए। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब नेपाल पिछले साल हुए जेन जेड आंदोलनों के बाद राजनीतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। पूजा के दौरान जब उनसे राजनीतिक संदेश के बारे में पूछा गया, तो ज्ञानेंद्र शाह ने कहा भगवान के स्थान पर भगवान की ही बात होनी चाहिए, बाकी किसी विषय पर नहीं। इस दौरे के साथ ही एक और विवाद सामने आया है। हाल के दिनों में ज्ञानेंद्र शाह के लिए फिर से शाही उपाधियों का इस्तेमाल शुरू हो गया है। 21 जनवरी को जारी एक आधिकारिक बयान में उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ संबोधित किया गया, जबकि 2008 में राजशाही खत्म होने के बाद से उन्हें लगातार पूर्व राजा कहा जाता रहा है।

गुयाना : अमेरिकी प्रत्यर्पण के बावजूद एजरुद्दीन मोहम्मद बने विपक्षी नेता

जॉर्जटाउन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना में एजरुद्दीन मोहम्मद, जो सोने की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में अमेरिकी प्रत्यर्पण का सामना कर रहे हैं, सोमवार को विपक्षी नेता चुने गए। छह महीने पहले उन्होंने वी इन्वेस्ट इन नेशनहुड नामक राजनीतिक दल बनाया था, जो तेजी से देश का दूसरा सबसे बड़ा दल बन गया। 38 वर्षीय मोहम्मद को विपक्षी नेता बनाने के लिए डब्ल्यूआईएन के 16 सांसदों और एक अन्य छोटे दल के सांसद ने मतदान किया। इस वोटिंग के साथ ढ्ढह्व संसद में दूसरा सबसे बड़ा दल बन गया। इस बीच, अमेरिकी प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई एक मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है। मोहम्मद ने कहा एक व्यक्ति निर्दोष है जब तक दोष साबित न हो। मैं इस देश की जनता की सेवा के लिए तैयार हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी राजनीतिक सफलता के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि, स्पीकर हाउस मन्जूर नादिर ने चुनाव पर चिंता जताई और कहा कि एक भगोड़े को विपक्षी नेता बनाने की प्रक्रिया कठिन स्थिति में है।

अफ्रीकी युवती ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, पेड़ के गले लगकर 72 घंटे खड़ी रहीं

नैरोबी, एजेंसी। केन्या की 22 वर्षीय पर्यावरण कार्यकर्ता ट्रूफेन मुथोनी ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कर लिया है। उन्होंने लगातार 72 घंटे तक पेड़ को गले लगाकर 'सबसे लंबी मैराथन ट्री-हगिंग' का विश्व रिकॉर्ड बनाया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, ट्रूफेन ने यह उपलब्धि 8 दिसंबर से 11 दिसंबर 2025 के बीच हासिल की। उन्होंने न्येरी गवर्नर कार्यालय परिसर में 11 दिसंबर को दोपहर 12:25 बजे अपना रिकॉर्ड पूरा किया।

ट्रूफेन का उद्देश्य : जीडब्ल्यूआर की वेबसाइट के मुताबिक, ट्रूफेन ने यह चुनौती स्वदेशी पेड़ों की रक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने और आदिवासी समुदायों के ज्ञान को सम्मान देने के उद्देश्य से ली थी। उनका मानना है कि जलवायु संकट से निपटने में स्वदेशी ज्ञान की अहम भूमिका है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने कहा कि इस रिकॉर्ड का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जुनून बन सके।

दूसरी बार ट्रूफेन को ट्री-हगिंग मैराथन के लिए मान्यता मिली : यह दूसरी बार है जब ट्रूफेन को ट्री-हगिंग मैराथन के लिए मान्यता मिली है। इससे पहले उन्होंने नैरोबी में 31 जनवरी से 2 फरवरी 2025 के बीच 48 घंटे तक पेड़ को गले लगाकर रिकॉर्ड बनाया था। इस दौरान उन्होंने पिछले रिकॉर्ड को लगभग 24 घंटे से अधिक समय तक पीछे छोड़ दिया था।

इससे पहले का रिकॉर्ड किसके नाम रहा : इससे पहले यह रिकॉर्ड घाना के अब्दुल हकीम अवाल के नाम था, जिन्होंने 23 मई 2024 को कुमासी में 24 घंटे 21 मिनट 4 सेकंड तक पेड़ को गले लगाया था। जीडब्ल्यूआर के अनुसार, ट्रूफेन ने इस चुनौती को मानसिक और भावनात्मक लाभों को उजागर करने के लिए भी अपनाया। उन्होंने इसके लिए पांच महीने से अधिक समय तक तैयारी की, जिसमें 42 किलोमीटर की पैदल यात्राएं और 12 घंटे तक पेड़ से लिपटने के अभ्यास शामिल थे। रिकॉर्ड की घोषणा के बाद ट्रूफेन के सोशल मीडिया अकाउंट पर बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। कई लोगों ने इसे पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

सूडान में सेना ने आरएसएफ का घेरा तोड़ा : खार्तूम, एजेंसी। सूडान की सेना ने केंद्रीय कोरडोफान क्षेत्र में पैरामिलिट्री बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफस्न) द्वारा डाले गए घेराबंदी को तोड़ दिया। सेना ने दक्षिण कोरडोफान के डिलिंग शहर तक रास्ता खोलकर आरएसएफ को भारी नुकसान पहुंचाया। आरएसएफ और सेना के बीच संघर्ष पिछले तीन वर्षों से जारी है। अप्रैल 2023 में सेना और आरएसएफ के बीच सत्ता संघर्ष ने खुली लड़ाई का रूप ले लिया। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, इस संघर्ष में अब तक 40,000 से अधिक लोगों की जान गई और 14 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं।

वेनेजुएला: सैकड़ों कैदी अब भी बंद, हाल में दर्जनों रिहा : काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले दो दिनों में कई कैदियों को रिहा किया गया, जबकि सैकड़ों राजनीतिक विरोधियों को अभी भी जेल में रखा गया है। यह कदम अमेरिकी दबाव के बीच आया है, जो कार्यवाहक सरकार से बंदियों की रिहाई की मांग कर रहा है। मानवाधिकार समूहों के अनुसार, 8 जनवरी से अब तक 266 राजनीतिक कैदी रिहा किए गए हैं। इनमें एक विपक्षी कार्यकर्ता, एक मानवाधिकार वकील और एक पत्रकारिता छात्र शामिल हैं। हालांकि, कम से कम 600 विरोधी अभी भी जेल में हैं, जिनमें विपक्षी नेता और नोबेल पुरस्कार विजेता मारिया कोरीना मचाडो के पार्टी सदस्य भी शामिल हैं।

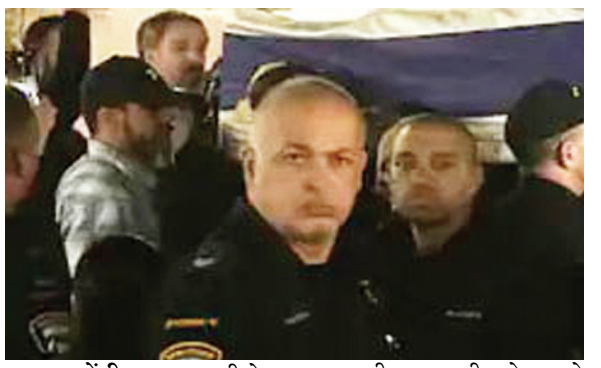

इजराइल ने गाजा से आखिरी बंधक का शव बरामद किया, कब्र खोदकर पुलिस का शव निकाला

गाजा, एजेंसी। इजरायल की सेना ने सोमवार को घोषणा की कि गाजा में अंतिम बंधक का शव बरामद कर लिया गया है। बंधकों की खोज के लिए इजराइली सेना कई दिनों से ऑपरेशन चला रही थी। इसी दौरान कब्रिस्तान से पुलिस अधिकारी रान गिविली का शव मिला। इसके साथ ही इजराइल और हमास के बीच लागू युद्धविराम के अगले चरण की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गिविली 7 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व वाले हमले में मारे गए थे, जिसने युद्ध की शुरुआत की थी। गिविली उन पहले लोगों में शामिल थे, जिन्हें गाजा ले जाया गया था। सभी बंधकों को वापस लाने का वादा पूरा किया गया है।

गिविली के परिवार ने पहले सरकार से अपील की थी कि उनके शव की बरामदगी से पहले युद्धविराम के दूसरे चरण में प्रवेश न किया जाए। हमास ने कहा है कि वह युद्धविराम के पहले चरण की सभी शर्तों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर कहा कि आखिरी बंधक के शव की वापसी मध्य पूर्व में शांति की दिशा में अहम कदम है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह अमेरिका, इजरायल और पूरी दुनिया के लिए बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है। इससे मध्य-पूर्व में शांति की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि गाजा के पुनर्निर्माण के संबंध में नवगठित शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए 20 से अधिक नए देशों ने भी हस्ताक्षर किए हैं, जो राष्ट्रपति के लिए एक और ऐतिहासिक उपलब्धि है।

ओरेगन की वोटर लिस्ट मांगने वाला न्याय विभाग का मुकदमा अदालत ने किया खारिज

सालेम, एजेंसी। ओरेगन में एक संघीय जज ने सोमवार को न्याय विभाग के उस मुकदमे को खारिज कर दिया, जिसमें ओरेगन की बिना संपादित की हुई वोटर लिस्ट मांगी गई थी। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की राज्यों से विस्तृत वोटर डेटा हासिल करने की कोशिशों को एक और झटका है। सुनवाई के दौरान अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज मुस्तफा कसुभाई ने मामले को खारिज कर दिया।

ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने एक ईमेल बयान में कहा, 'अदालत ने इस मामले को खारिज कर दिया क्योंकि संघीय सरकार ने इन रिकॉर्ड को हासिल करने के लिए कानूनी मानक को कभी पूरा नहीं किया। ओरेगन के लोगों को यह जानने का हक है कि वोटिंग कानूनों का इस्तेमाल उनकी निजी जानकारी हथियाने के लिए पिछले दरवाजे के तौर पर नहीं किया जा सकता।'

न्याय विभाग ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अदालत ने ये फैसला तब दिया है, जब अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने शनिवार को गवर्नर टिम वाल्ज को एक पत्र भेजा, उसी दिन संघीय इमिग्रेशन एजेंटों ने मिनियापोलिस में 37 वर्षीय एलेक्स प्रेटी को गोली मारकर हत्या कर दी। प्रेटी, ट्रंप सरकार के सख्त आव्रजन नियमों का विरोध कर रहा था।

अपने पत्र में, बोंडी ने डेमोक्रेटिक गवर्नर से इमिग्रेशन अधिकारियों का समर्थन करने के लिए कहा और कानून और व्यवस्था वापस लाने में मदद करने के लिए तीन कदम उठाने की मांग की- जिसमें न्याय विभाग को वोटर लिस्ट तक पहुंचने की क्षमता देना शामिल है ताकि यह पुष्टि की जा सके कि मिनेसोटा की वोटर रजिस्ट्रेशन प्रक्रियाएं संघीय कानून का पालन करती हैं या नहीं। बोंडी ने राज्य के मेडिकेड और खाद्य सहायता कार्यक्रमों के रिकॉर्ड और अभयारण्य नीतियों को रद्द करने के लिए भी कहा, जो स्थानीय अधिकारियों को संघीय इमिग्रेशन अधिकारियों के साथ सहयोग करने से रोकती हैं।

ब्रिटेन में भारतवंशी नेता सुएला ब्रेवरमैन ने कंजरवेटिव पार्टी छोड़ी, कट्टर दक्षिणपंथी नाइजल फराज की पार्टी में शामिल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने सोमवार को कंजर्वेटिव पार्टी छोड़कर आप्रवासन-विरोधी पार्टी रिफॉर्म यूके पार्टी जॉइन कर ली। उन्होंने कहा कि वे अब टोरी पार्टी को 'अलविदा' कह रही हैं, क्योंकि कंजर्वेटिव सरकार के दौर में इमिग्रेशन पूरी तरह 'काबू से बाहर' हो गया है।

45 साल की ब्रेवरमैन दक्षिणी इंग्लैंड के फेयरहैम और वॉटरलूविल से सांसद हैं और गोवा मूल की हैं। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर बताया कि उन्होंने कंज़र्वेटिव पार्टी की 30 साल पुरानी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। लंदन में हुए एक कार्यक्रम में रिफॉर्म यूके के नेता नाइजेल फराज ने उनका स्वागत किया। ब्रेवरमैन अब उन बड़े कंजर्वेटिव नेताओं में शामिल हो गई हैं, जिन्होंने फराज की पार्टी का दामन थामा है। उनसे पहले पूर्व मंत्री रॉबर्ट जेनरिक और नदीम जहावी भी रिफॉर्म यूके में जा चुके हैं। इसके साथ ही कंजर्वेटिव पार्टी से रिफॉर्म यूके में जाने वाले सांसदों की संख्या 8 हो गई है। पार्टी छोड़ने के बाद ब्रेवरमैन ने कहा, 'ब्रिटेन टूट चुका है। देश तकलीफ में है, ठीक नहीं है। इमिग्रेशन काबू से बाहर है, सार्वजनिक सेवाएं चरमरा गई हैं, लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते और हमारे युवा बेहतर भविष्य की तलाश में देश छोड़कर जा रहे हैं। ब्रेवरमैन ने फराज की तारीफ करते हुए कहा कि ब्रिटिश राजनीति में सिर्फ एक ही ऐसा व्यक्ति है जो अपने देश के लिए लगातार साहस के साथ खड़ा रहा है, और वह व्यक्ति नाइजेल फराज हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के भीतर ब्रेवरमैन को कट्टर दक्षिणपंथी धड़े का बड़ा चेहरा माना जाता रहा है। वे पहले पार्टी नेतृत्व का चुनाव भी लड़ चुकी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक ने उन्हें अपनी सरकार की टॉप लीडरशिप में शामिल किया था। विवादों से उनका पुराना नाता रहा है। उन्हें दो बार गृह मंत्री पद से हटाया गया। पहली बार लिज ट्रस के कार्यकाल में मंत्री आचार संहिता के उल्लंघन पर और दूसरी बार पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के दौर में विवादित मीडिया टिप्पणियों की वजह से।

अमेरिका के अलग होने पर डब्ल्यूएचओ ने तोड़ी चुप्पी, टेड्रोस बोले-आपके फैसले से दुनिया में खतरा बढ़ा

जिनेवा , एजेंसी। अमेरिका के विश्व स्वास्थ्य संगठन से हटने के फैसले पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा बताए गए कारण तथ्यों से परे और गलत हैं। डॉ. टेड्रोस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य रहा है और संगठन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों में उसकी अहम भूमिका रही है। इनमें चेचक का उन्मूलन, पोलियो, इबोला, इन्फ्लुएंजा, टीबी, मलेरिया और अन्य गंभीर बीमारियों के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिका के फैसले पर डब्ल्यूएचओ की आपत्ति डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा, अमेरिका के डब्ल्यूएचओ से हटने से न सिर्फ अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया कम सुरक्षित हो जाती है। उन्होंने साफ किया कि डब्ल्यूएचओ हमेशा सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान करता आया है और अमेरिका के साथ भी यही रवैया रहा है। डब्ल्यूएचओ को उम्मीद है कि भविष्य में अमेरिका फिर से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

कोविड-19 पर लगाए गए आरोप : अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ पर कोविड-19 महामारी के दौरान विफलता, जानकारी छिपाने और गलत मार्गदर्शन देने का आरोप लगाया था। इस पर डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने महामारी के दौरान तेज़ी और पारदर्शिता से जानकारी साझा की। मास्क, वैक्सीन और सामाजिक दूरी की सलाह दी गई लेकिन लॉकडाउन या वैक्सीन अनिवार्यता की सिफारिश कभी नहीं की अंतिम फैसले सरकारों पर छोड़े गए। डब्ल्यूएचओ ने माना कि किसी भी संगठन से कुछ गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उसने महामारी से निपटने में अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी से निभाई। अमेरिका का आधिकारिक रुख 22 जनवरी को अमेरिका ने औपचारिक रूप से डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलने की घोषणा की।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और स्वास्थ्य मंत्री केनेडी ने कहा कि आगे डब्ल्यूएचओ से अमेरिका का संपर्क सिर्फ निकासी प्रक्रिया और अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा तक सीमित रहेगा। डब्ल्यूएचओ ने दोहराया कि वह सभी देशों के साथ मिलकर काम करता रहेगा और उसका लक्ष्य है हर इंसान को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, जो एक मौलिक मानव अधिकार है।

नाइजीरिया में राष्ट्रपति टीनुबू की सरकार के खिलाफ साजिश का पर्दाफाश, अब मुकदमा चलाएगी सेना

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के रक्षा मुख्यालय ने सोमवार को एक बड़ी जानकारी दी। एक जांच रिपोर्ट के आधार पर सेना ने बताया कि सैन्य अधिकारियों के एक समूह पर तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप है। अब इन अधिकारियों पर मुकदमा चलाया जाएगा।

16 अधिकारियों की हुई थी गिरफ्तारी : इस मामले में अक्टूबर महीने में कम से कम 16 अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। उस समय सेना ने इसे अनुशासनहीनता और नियमों का उल्लंघन बताया था। इन गिरफ्तारियों और तख्तापलट की अफवाहों से इलाके में तनाव काफी बढ़ गया था। यह क्षेत्र पहले भी कई बार तख्तापलट का सामना कर चुका है।

राष्ट्रपति के खिलाफ थी साजिश : नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता समाइला उबा ने सोमवार को बताया कि अधिकारियों के आचरण की जांच पूरी हो गई है। जांच में खुलासा हुआ कि राष्ट्रपति बोला टीनुबू की सरकार के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रची गई थी।

उबा ने कहा, 'जांच में कई अधिकारियों की पहचान हुई है। उन पर सरकार गिराने की योजना बनाने का आरोप है। यह काम सेना के मूल्यों और पेशेवर मानकों के बिल्कुल खिलाफ है।' प्रवक्ता ने बताया कि दोषी अधिकारियों को सैन्य अदालत (पैनल) के सामने पेश किया जाएगा। वहां उन पर सेना के नियमों के तहत मुकदमा चलेगा।

नामों का खुलासा नहीं : अभी यह साफ नहीं है कि गिरफ्तार किए गए 16 अधिकारियों में से कितनों पर मुकदमा चलेगा। अधिकारियों ने उनके नाम भी नहीं बताए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि सेना में अनुशासन बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

अफ्रीका में तख्तापलट की घटनाएं बढ़ी : यह खबर ऐसे समय आई है जब पश्चिम और मध्य अफ्रीका में तख्तापलट की घटनाएं बढ़ी हैं। पिछले साल के अंत में बेनिन और गिनी-बिसाऊ में भी ऐसी घटनाएं हुई थीं। जानकारों के मुताबिक, विवादित चुनाव, सुरक्षा संकट और युवाओं में नाराजगी के कारण सेना सत्ता हथियाने की कोशिश करती है। नाइजीरिया में 1966 से 1993 के बीच कई बार तख्तापलट हो चुका है। अभी वहां सरकार के कड़े आर्थिक फैसलों के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं, जिससे चिंता का माहौल है।

क्या तेहरान पर हवाई हमले की तैयारी कर रहे ट्रंप? ईरान के नजदीक पहुंचे अमेरिका के युद्धपोत

तेहरान, एजेंसी। ईरान में विरोध प्रदर्शनों को वहां की सरकार ने कुचल दिया है और जब ऐसा लग रहा है कि हालात सामान्य होने की तरफ हैं, लेकिन लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दिमाग में कुछ और ही चल रहा है। दरअसल अमेरिका का युद्धपोत अब्राहम लिंकन ईरान के नजदीक पहुंच गया है। जिससे आशंका पैदा हो गई है कि शायद ट्रंप, ईरान पर हमले की तैयारी कर रहे हैं।

अमेरिकी युद्धपोत पश्चिम एशिया पहुंचा : अमेरिकी नौसेना का युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन बेहद शक्तिशाली युद्धपोत है, जो निमित्ज क्लास का है और परमाणु ऊर्जा से संचालित होता है।

यह कैरियर स्ट्राइक ग्रुप 3 का नेतृत्व करता है। यह युद्धपोत 19 जनवरी को मलक्का की खाड़ी से गुजरा। इस युद्धपोत के साथ एर्ले बुर्क क्लास के तीन डेस्टॉयर (विध्वंसक जहाज) यूएसएस फ्रैंक ई पीटरसन जूनियर, यूएसएस स्प्रांस, यूएसएस माइकल मर्फी भी शामिल हैं। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को पश्चिम एशिया में तैनात किया गया है। युद्धपोत के साथ ही अमेरिका ने अपने फाइटर जेट्स और कार्गो फ्लीट को भी ईरान के आसपास तैनात किया है।

अमेरिका के इस कदम को ईरान पर दबाव बनाने के तौर पर देखा जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया था कि एक बड़ी नौसैन्य टुकड़ी ईरान की दिशा में बढ़ रही है, लेकिन हो सकता है कि उसे इस्तेमाल करने की जरूरत ही न पड़े।

ईरान में दिसंबर में हुए विरोध प्रदर्शनों में हजारों लोग मारे गए : ईरान में बीते दिसंबर में बढ़ती महंगाई और बिगड़ती अर्थव्यवस्था के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन विरोध प्रदर्शन में छह हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा है। ईरान की सरकार ने कई प्रदर्शनकारियों को फांसी देने की तैयारी कर ली थी, लेकिन अमेरिका की धमकी के बाद ईरान ने फिलहाल फांसी की सजा टाल दी है। अमेरिकी धमकियों के बीच ईरान ने भी चेताया है कि वे युद्ध नहीं चाहते लेकिन अगर अमेरिका हमला करता है तो पूरी ताकत से हमले का जवाब दिया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर व पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के चलते श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे बंद

जम्मू (एजेंसी)। लगातार हो रही बर्फबारी के चलते श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे बंद हो गया। जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में लगातार बर्फबारी से मंगलवार रात हिमस्खलन आया। एवलांच (हिमस्खलन) में फिलहाल किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। कई होटलों को नुकसान पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि एवलांच मंगलवार रात 10.12 बजे मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सोनमर्ग रिजॉर्ट में हुआ। बचाव टीमें घटनास्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि वे स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। जम्मू-कश्मीर और अन्य पहाड़ी राज्यों में लगातार बर्फबारी जारी है। इसके देखते हुए मौसम विभाग ने एवलांच का अलर्ट जारी किया था। जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गंदरबल, अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, कुलगाम और कुपवाड़ा समेत कश्मीर के 11 जिलों और जम्मू क्षेत्र के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी और रामबन के लिए हिमस्खलन की चेतावनी दी थी। मंगलवार को भारी बर्फबारी के कारण जम्मू- श्रीनगर हाईवे बंद रहा। इसके साथ श्रीनगर एयरपोर्ट पर सभी फ्लाइट्स रद्द होने से लोग परेशान हुए। इमरजेंसी सेवाओं और सशस्त्र बलों की आवाजाही में भी इससे रुकावट आई। अधिकारियों ने बताया कि बचाव और सड़क साफ करने का अभियान जारी जारी है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर आने और जाने वाली 29-29 फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बर्फबारी के कारण रनवे ऑपरेशन के लिए असुरक्षित हो गया था। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि काजीगुंड और बनिहाल के बीच बर्फ जमा होने के कारण श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे ट्रैफिक के लिए बंद कर दिया गया था। बर्फ हटाने का काम जारी रहने के बावजूद हाईवे पर ट्रैफिक संचालन की अनुमति नहीं दी जा रही थी। अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के कारण ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुईं। बनिहाल और बडगाम के बीच कुछ ट्रेनें रद्द कर दी गईं। ट्रैक साफ होने के कुछ घंटों बाद ऑपरेशन फिर से शुरू हो गए। जिला प्रशासन और पुलिस ने जनता की मदद के लिए कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन नंबर स्थापित किए हैं। मौसम विभाग ने अधिकांश जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी और कुछ इलाकों में गरज या तेज हवाएं चल सकती हैं। बुधवार को भी हल्की बारिश हो सकती है।

गुरुग्राम में कई बड़े स्कूलों को बम से उड़ाने का आया मेल, मचा हड़कंप, बच्चों को बाहर निकाला

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम के बड़े और नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन और प्रशासन में हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर स्कूलों में सर्च अभियान चलाया गया और बच्चों को बाहर निकाला। गुरुग्राम में जिन बड़े स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें कुंसकपालन स्कूल, लैंसर्स स्कूल और हेरिटेज एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्कूल और बादशाहपुर पाथवेस स्कूल, शालोम हिल्स स्कूल, शेरवुड कान्वेंट स्कूलों को बम धमकी वाला ईमेल मिला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए। एसडीआरएफ की टीम भी सहायता के लिए बुलाई गई। जांच कार्य में जुटी गुरुग्राम पुलिस सभी स्कूलों तलाशी अभियान चलाया। लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, लेकिन स्थिति पर प्रशासन की कड़ी नजर रखे हुए है। छात्रों-स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी सावधानियां बरती जा रही हैं। पुलिस की तरफ से जांच जारी है। बता दें बुधवार सुबह 7 बजे कुंसकपालन स्कूल गुरुग्राम में बम की धमकी भरी मेल मिले, जिसमें लिखा था कि हरियाणा खालिस्तान है, गुरुग्राम स्कूल में दोपहर 1.11 बजे बम धमाका होगा। इसी प्रकार से लांसर इंटेरनेशनल स्कूल सैक्टर 53 गुरुग्राम, शेरवुड स्कूल डीएलएफ फेस-2 गुरुग्राम अमेरिकन स्कूल डीएलएफ फेस-2 गुरुग्राम, लॉटस वैली स्कूल सैक्टर 50 गुरुग्राम, श्रीराम स्कूल सैक्टर 29 गुरुग्राम, स्कोटिस स्कूल सैक्टर 57 गुरुग्राम बम से उडाने की धमकी भरी मेल मिली है। ज्यादातर स्कलों में एम्बर डरहम से मेल आई है, जबकि कुछ स्कूलों में नॉवेल्ला से मेल मिली है। सभी मेल में कैंटेट सेम है जिन-जिन स्कूलों में मेल आई। सभी स्कलों की छुटटी कर दी गई।

पटना सिविल कोर्ट में पिस्टल लेकर घुस रहे दो बदमाश पकड़े, सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई

पटना (एजेंसी)। पटना सिविल कोर्ट परिसर में बुधवार सुबह हथियार लेकर घुसने की कोशिश करने वाले दो युवकों में से एक को सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा, जबकि दूसरा फरार हो गया है। घटना से कोर्ट परिसर में सनसनी फैल गई और अधिवक्ताओं में डर का माहौल बन गया। मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और पकड़े गए आरोपी पीयूष (हाजीपुर निवासी) से पूछताछ कर रही है। पुलिस फिलहाल दूसरे फरार आरोपी की तलाश में लगी हुई है। पुलिस ने बताया कि सुबह 11 बजे गेट पर दो युवकों की चेकिंग के दौरान संदेह होने पर एक को पकड़ा गया। वरीय अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। दोनों युवकों के उद्देश्य और टारगेट का पता लगाया जा रहा है। वहीं पुलिस दूसरे आरोपी की खोज में लगी हुई है। पटना सिविल कोर्ट के वकील ऋषिकेश नारायण सिंहा ने कहा कि यह सुरक्षा की बड़ी चूक है। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों की सतर्कता की सराहना कर कहा कि अगर वे नहीं होते, तब गंभीर हादसा हो सकता था। वकील ने कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस घटना ने परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की कमियों को उजागर किया है और सभी की चिंता बढ़ा दी है।

तेलंगाना में साइबर अपराध से जुड़े केरल-बेंगलुरु के छह आरोपी गिरफ्तार

-कमीशन लेकर अपने बैंक खातों को जालसाजों को कराए उपलब्ध

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने केरल और बेंगलुरु के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ब्यूरो ने कहा है कि आरोपियों में पांच ऐसे 'म्यूल' खाताधारक शामिल हैं जिन्होंने कमीशन लेकर अपने बैंक खातों को मुख्य जालसाजों को इस्तेमाल करने के लिए उपलब्ध कराया है। इन खातों का इस्तेमाल साइबर अपराधों के जरिए मिले धन के लेन-देन में किया गया, जबकि इसमें एक एजेंट भी शामिल है। बता दें 'म्यूल' खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं जिसका इस्तेमाल अपराधी, खाताधारक की जानकारी से या जानकारी के बगैर, अवैध धन प्राप्त करने, धन अंतरित करने या उसे वैध बनाने के लिए करते हैं। तेलंगाना में दर्ज तीन मामलों में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो मुख्य जालसाजों द्वारा किए गए 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी और ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी से संबंधित थे। टीजीसीएसबी की निदेशक ने बताया कि दो टीम ने छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जिनमें से तीन केरल के और तीन बेंगलुरु से हैं।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हो रही मौतों के मामले में हाईकोर्ट सख्त

-रिपोर्ट को बताया 'आई-वॉश', स्वतंत्र जांच आयोग गठन करने का दिया आदेश

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हो रही मौतों के मामले में हाईकोर्ट ने शासन और नगर निगम की रिपोर्ट को 'आई-वॉश' करार दिया है। कोर्ट ने माना कि यह मामला गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति से जुड़ा है और स्वच्छ पेयजल का अधिकार जीवन के अधिकार का हिस्सा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने स्वतंत्र जांच आयोग के गठन का आदेश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को भागीरथपुरा में एक और व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे अब तक मरने वालों की संख्या 29 हो गई है। मृतक खूबचंद (63) पिछले 15 दिनों से उल्टी-दस्त से पीड़ित थे। परिजनों के मुताबिक वे पहले स्वस्थ थे और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से इलाज के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। भागीरथपुरा मामले में दायर जनहित याचिकाओं पर हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में ढाई घंटे से ज्यादा समय तक सुनवाई की। शासन की ओर से कोर्ट में 23 मौतों की रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें 16 मौतें

दूषित पानी से होनी बताई गई। वहीं 4 मौतों को लेकर असमंजस और 3 मौतें दूषित पानी से नहीं होना बताया।

रिपोर्ट के मुताबिक हाईकोर्ट ने मौतों के आंकड़ों को लेकर गंभीर असहमति दर्ज की। जहां सरकारी रिपोर्ट में 16 मौतें जलजनित बीमारी से मानी गईं, वहीं याचिकाकर्ताओं ने करीब 30 मौतों का दावा किया। कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट में मौतों के स्पष्ट कारण दर्ज नहीं हैं और पर्याप्त वैज्ञानिक व दस्तावेजी आधार का अभाव है। कोर्ट ने आदेश दिया कि भागीरथपुरा में दैनिक जल गुणवत्ता जांच और नियमित स्वास्थ्य शिविर लगातार जारी रखे जाएं। जांच आयोग को चार सप्ताह में अंतरिम रिपोर्ट सौंपनी होगी। मामले की अगली सुनवाई 5 मार्च को होगी।

न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने रिपोर्ट में प्रयुक्त 'वर्बल ऑटॉप्सी' शब्द पर भी आपत्ति जताई और पूछा कि यह कोई मान्य मेडिकल शब्द है या अधिकारियों द्वारा गढ़ा गया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि पेश की गई रिपोर्ट विश्वसनीय नहीं है और इसे केवल 'आई-वॉश' माना जा सकता है।

यूजीसी के नए नियमों पर एकमत नहीं है पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का परिवार

लखनऊ (एजेंसी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रमोशन ऑफ इक्विटी रेगुलेशंस 2026 को लेकर भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके दो बेटों के बीच विचार एकमत नहीं है। इस मुद्दे पर जहां पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इस पर अध्ययन के बाद सोच समझकर अपनी राय रखेंगे क्योंकि ये बेहद संवेदनशील मुद्दा है। उन्होंने कहा कि वह इसका अध्ययन कर रहे हैं और जो भी बोलेंगे बहुत सोच विचार करके ही बोलेंगे। बता दें कि यूजीसी के नए नियमों को लेकर इस समय देश और प्रदेश के विभिन्न शहरों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। मंगलवार को भी लखनऊ गोरखपुर, बस्ती सहित कई जिलों में छात्रों-युवाओं ने प्रदर्शन किए। विरोध-प्रदर्शनों के इस माहौल में लोग जनप्रतिनिधियों से उनका स्टैंड पूछ रहे हैं। इसी क्रम में बृजभूषण शरण सिंह से भी इस पर सवाल किया गया तो उन्होंने अध्ययन करने की बात कहकर जवाब को टाल दिया। वहीं, इस मुद्दे पर उनके परिवार में ही दो तरह की स्थिति देखने को मिली है। एक ओर यूजीसी के नियमों में

किए गए बदलाव वाली 31 सदस्यीय संसदीय समिति का हिस्सा ब्रजभूषण के सांसद बेटे करण भूषण सिंह थे। वहीं उनके विधायक पुत्र प्रतीक भूषण सिंह ने इस नियम को लेकर इसके उलट प्रतिक्रिया दी है प्रतीक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि इतिहास के दोहरे मापदंडों पर अब गहन विवेचना होनी चाहिए जहां बाहरी आक्रांताओं और उपनिवेशी ताकतों के भीषण अत्याचारों को अतीत की बात कहकर भुला दिया जाता है जबकि भारतीय समाज के एक वर्ग को निरंतर ऐतिहासिक अपराधी के रूप में चिन्हित कर वर्तमान में प्रतिशोध का निशाना बनाया जा रहा है। बता दें कि प्रतीक भूषण सिंह गोंडा की सदर सीट से विधायक हैं। उनका पक्ष सामने आने के बाद इस पर लोगों की अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। उधर, यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवाल पूछे जाने पर विधायक प्रतीक भूषण के पिता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि यूजीसी एक बड़ा और गंभीर विषय है। मैं इसका अध्ययन कर रहा हूं। जो कुछ भी बोलूंगा सोच-समझकर बोलूंगा। यह समाज से जुड़ा मुद्दा है। सामंजस्य निकलना जरूरी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा शुरुआत है एक ऐतिहासिक सफर की

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक की यात्रा भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक नए और ऐतिहासिक अध्याय की शुरुआत है। संसद के बजट सत्र के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमताओं और भविष्य की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

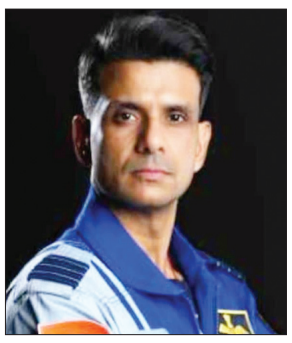

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा, शुभांशु शुक्ला का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचना एक ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत है। आने वाले वर्षों में भारत अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और युवा प्रतिभाओं की मेहनत और संकल्प का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि अब अंतरिक्ष केवल अनुसंधान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अंतरिक्ष पर्यटन भी धीरे-धीरे भारतीयों की पहुंच में आता जा रहा है। राष्ट्रपति के इस बयान को भारत के उभरते अंतरिक्ष उद्योग और निजी क्षेत्र की भागीदारी के संदर्भ में अहम माना जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गगनयान मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि देश पूरे उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ इस महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष मिशन पर कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि गगनयान मिशन भारत को अंतरिक्ष में मानव भेजने वाले चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल करेगा। इस दौरान लोकसभा कक्ष में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई सांसदों और नेताओं ने मेजें थपथपाकर राष्ट्रपति के संबोधन का स्वागत किया।

ममता ने इतने साल शासन के बाद भी युवाओं के लिए कुछ भी नहीं किया: अग्निमित्रा पॉल

दुर्गापुर (एजेंसी)। बंगाल से भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इतने सालों के शासनकाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज तक जनता के कल्याण के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि 2008 में जब टाटा का नैनो प्रोजेक्ट बंगाल के सिंगूर में आया था, तब उस कंपनी को वापस भेज दिया था। तब ममता बनर्जी ने कहा था कि हम प्रदेश के युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार दूंगी। लेकिन, इतने सालों के शासनकाल में उनकी सरकार ने युवाओं के लिए कुछ नहीं किया। भाजपा विधायक ने कहा कि इन लोगों ने सत्ता में रहते हुए युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था। लेकिन, इतने सालों के शासनकाल में इन लोगों ने आज तक किसी भी युवा को रोजगार देने का

फैसला नहीं किया। अगर दिया होता, आज की तारीख में युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ता। ममता बनर्जी ने सिर्फ प्रदेश के लोगों के साथ छलावा किया है।

उन्होंने कहा कि ममता ने लगातार प्रदेश में निवेश से संबंधित कई तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में दावा किया गया है कि हम प्रदेश में निवेश को लाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे है। लेकिन, आज तक प्रदेश में किसी भी प्रकार के निवेश को नहीं लाया गया। लेकिन, स्थिति ऐसी बनी हुई है कि युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों की शरण लेनी पड़ रही है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस दिशा में पूरी तरह से उदासीन बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री मोदी हमारे बंगाल में आए। उन्होंने हमसे वादा किया है कि आगामी दिनों में पश्चिम बंगाल को उत्पादन का केंद्र बनाया जाएगा। इससे अन्य लोगों को रोजगार मिलेगा। हमारे राज्य में प्रचुर मात्रा में संसाधन है, जिनका इस्तेमाल किया जाएगा। लेकिन, अफसोस की बात है कि ममता बनर्जी को प्रदेश की जनता ने मौका दिया। आज तक उन्होंने प्रदेश की जनता के हित के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

जयपुर- पैसेंजर्स से भरे एयर इंडिया प्लेन की लैंडिंग फेल, रनवे को टच कर फिर उड़ा, फ्लाइट में थे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर। दिल्ली से जयपुर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1719 की लैंडिंग फेल होने से दहशत फैल गई। बुधवार दोपहर को विमान रनवे को टच करते ही वापस उड़ गया। जानकारी के अनुसार फ्लाइट में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी थे। हालांकि, करीब 10 मिनट बाद दूसरे प्रयास में विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहले भी लैंडिंग फेल होने की घटनाएं सामने आई हैं। दरअसल, फ्लाइट एआई-1719 ने दोपहर करीब 1 बजकर 5 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग का प्रयास किया था। इस दौरान पायलट ने रनवे को छूते ही विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। अस्थिर अप्रोच के कारण पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गो-अराउंड का फैसला लिया। पहले प्रयास के बाद विमान ने एयरपोर्ट के ऊपर कुछ देर तक गोल चक्कर लगाया। करीब 10 मिनट बाद पायलट ने सफल लैंडिंग की। इस फ्लाइट में 135 पैसेंजर्स थे। सूत्रों के मुताबिक, इस फ्लाइट में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी सवार थे।

ब्राह्मण समाज को एकजुट करने में जुटे थे अग्निहोत्री, अब इंटेलिजेंस पर उठे सवाल

बरेली(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में सिटी मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात रहे अलंकार अग्निहोत्री का इस्तीफा इन दिनों देशव्यापी चर्चा का केंद्र बना हुआ है। प्रशासनिक पद पर रहते हुए समाज सेवा और एक विशिष्ट वर्ग को संगठित करने की उनकी गतिविधियों ने शासन से लेकर आम जनता तक सबको हैरान कर दिया है। बताया जा रहा है कि अलंकार अग्निहोत्री काफी समय से ब्राह्मण समाज को एकजुट करने के मिशन पर काम कर रहे थे, जिसकी भनक स्थानीय प्रशासन और खुफिया विभाग को अंत तक नहीं लग सकी।

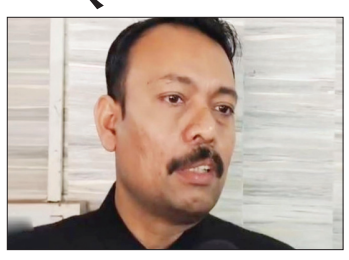

सूत्रों के अनुसार, बरेली में तैनाती के दौरान ही उन्होंने ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए सक्रियता बढ़ा दी थी। चौंकाने वाली बात यह है कि सिटी मजिस्ट्रेट जैसे संवेदनशील पद पर रहते हुए वे अपने कार्यालय में ही समाज से जुड़े नेताओं और युवाओं के साथ नियमित बैठकें करते थे। इन चर्चाओं में ब्राह्मण समाज की मजबूती और संगठन विस्तार को लेकर रणनीति बनाई जाती थी। प्रशासनिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि कई अन्य ब्राह्मण अधिकारी भी उनके निरंतर संपर्क में थे। समाज को डिजिटल माध्यम से जोड़ने के लिए उन्होंने कई व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाए थे। हाल ही में मालवीय जयंती पर जीआईसी ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के बाद समाज में उनकी लोकप्रियता चरम पर पहुंच गई और उन्हें एक नई पहचान मिलने लगी।

इस्तीफे की पटकथा अचानक नहीं लिखी गई। जानकारी के मुताबिक, अग्निहोत्री ने करीब पांच महीने पहले ही अपने करीबियों के बीच पद छोड़ने की इच्छा जताई थी। दिसंबर में भी इस पर विमर्श हुआ, लेकिन अंततः उन्होंने 26 जनवरी का दिन अपने त्यागपत्र के लिए चुना। इस पूरे मामले ने उत्तर प्रदेश के खुफिया तंत्र यानी स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक मजिस्ट्रेट स्तर का अधिकारी अपने कार्यालय का उपयोग सामाजिक बैठकों के लिए करता रहा, लेकिन एलआईयू को इसकी जानकारी नहीं हुई, इसे बड़ी विफलता माना जा रहा है। अब शासन स्तर पर इस इंटेलिजेंस फेल्योर की समीक्षा की जा रही है और माना जा रहा है कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर बड़ी गाज गिर सकती है। अलंकार अग्निहोत्री का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब देश में आरक्षण और यूजीसी के नियमों को लेकर नई बहस छिड़ी हुई है। डैमेज कंट्रोल न हो पाने और इस पूरी प्रक्रिया के दौरान खुफिया इनपुट की कमी ने सरकार के लिए भी असहज स्थिति पैदा कर दी है।

मायावती ने जातिवादी मानसिकता वालों को दी नसीहत, सरकार को भी घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव को समाप्त करने के लिए बनाए गए नए नियमों का समर्थन किया है। उन्होंने इक्विटी कमेटी (समता समिति) के गठन का विरोध करने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए इसे संकीर्ण मानसिकता का परिचायक बताया है। मायावती ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश के सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में जातिगत भेदभाव के निराकरण हेतु यूजीसी द्वारा लाए गए नए नियमों का कुछ लोग विरोध कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सामान्य वर्ग के केवल वे ही लोग इसका विरोध कर रहे हैं जो जातिवादी मानसिकता से ग्रसित हैं और इसे अपने विरुद्ध एक षड्यंत्र मान रहे हैं, जो पूरी तरह अनुचित है।

हालांकि, बसपा सुप्रीमो ने सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील नियमों को लागू करने से पहले यदि सभी पक्षों को विश्वास में लिया जाता, तो देश में सामाजिक तनाव की स्थिति पैदा नहीं होती। उन्होंने सरकारों और संस्थानों को सलाह दी कि भविष्य में इस तरह के कदम उठाते समय सामाजिक सामंजस्य का ध्यान रखा जाना चाहिए। मायावती ने दलित और पिछड़ा वर्ग के छात्रों व नागरिकों को भी सतर्क रहने की नसीहत दी। उन्होंने अपील की कि इन वर्गों के लोगों को अपने ही समाज के स्वार्थी और बिकाऊ नेताओं के भड़काऊ बयानों में नहीं आना चाहिए, जो अपनी राजनीति चमकाने के लिए ऐसे मुद्दों का सहारा लेते हैं। गौरतलब है कि यूजीसी ने 13 जनवरी 2026 को नए दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिसके तहत एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के साथ होने वाले भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियों, हेल्पलाइन और निगरानी दलों की स्थापना अनिवार्य कर दी गई है। इन नियमों को लेकर उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध के स्वर भी उठ रहे हैं।

चारधाम कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, यहां केवल हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन को ही मिलेगी एंट्री

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के विश्वप्रसिद्ध चारधामों—बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में गैर-हिंदुओं के प्रवेश को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच मंदिर समितियों ने अपनी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) और गंगोत्री मंदिर समिति की ओर से कहा गया है कि इन पवित्र धामों में केवल उन्हीं लोगों को प्रवेश मिलेगा जो सनातन परंपरा और देवी-देवताओं में अटूट आस्था रखते हैं। इस निर्णय के तहत हिंदुओं के साथ-साथ सिख, जैन और बौद्ध धर्मावलंबियों को भी दर्शन की अनुमति होगी।

बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने इस फैसले को स्पष्ट करते हुए कहा कि केदारनाथ और बदरीनाथ धाम कोई पिकनिक स्पॉट या सामान्य पर्यटन स्थल नहीं हैं। ये सनातन परंपरा के सर्वोच्च आध्यात्मिक केंद्र हैं, जिनकी अपनी एक गरिमा और मर्यादा है। उन्होंने संवैधानिक तर्कों का हवाला देते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत सिख, जैन और बौद्ध धर्म को सनातन परंपरा का अभिन्न अंग माना गया है। वहीं, अनुच्छेद 26 धार्मिक संस्थाओं को अपनी परंपराओं, पूजा-पद्धति और अनुशासन की रक्षा करने का पूर्ण अधिकार प्रदान करता है। द्विवेदी ने जोर देकर कहा कि यह निर्णय किसी विशेष समुदाय के खिलाफ नहीं है, बल्कि सदियों पुरानी आस्था, अनुशासन और धामों की शुद्धता को संरक्षित करने के लिए लिया गया है। उत्तराखंड में पर्यटन के लिए हजारों अन्य स्थल खुले हैं, लेकिन धामों की मूल धार्मिक पहचान और आध्यात्मिक स्वरूप से समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिरों में गैर-हिंदुओं का प्रवेश पहले से ही प्रतिबंधित रहा है; यह कोई नया नियम नहीं बल्कि सदियों पुरानी परंपरा का औपचारिक ऐलान मात्र है। जिस तरह मस्जिद और चर्च के अपने नियम और संस्कार होते हैं, उसी तरह हिंदू मंदिरों को भी अपनी पवित्रता तय करने का अधिकार है। गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल ने भी इसी सुर में अपनी बात रखते हुए कहा कि जो लोग हिंदू धर्म का सम्मान करते हैं और सनातन संस्कृति में विश्वास रखते हैं, उनका स्वागत है। विशेष रूप से सिख समाज के लोग जो हमेशा से हिंदू परंपराओं के करीब रहे हैं, वे दर्शन के लिए आ सकते हैं। वर्तमान में गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर समितियों ने गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध संबंधी औपचारिक प्रस्ताव भी पारित कर दिया है। इस निर्णय का उत्तराखंड की विभिन्न धार्मिक संस्थाओं और पुरोहित समाज ने स्वागत किया है। श्री केदार सभा और श्री डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत सहित तमाम सनातन धर्मावलंबियों ने इसे धर्म की रक्षा के लिए लिया गया एक ऐतिहासिक कदम बताया है। स्थानीय तीर्थ पुरोहितों का मानना है कि धामों की दीक्षा और संप्रदाय आधारित व्यवस्था को बनाए रखना ही देवभूमि की असली पहचान है।

वक्फ बोर्ड ने फैसले का किया स्वागत

इस संवेदनशील मुद्दे पर उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने भी मंदिर समितियों के फैसले का स्वागत करते हुए पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने दो टूक कहा कि जिनकी देवी-देवताओं पर आस्था ही नहीं है, उनका चारधाम में आखिर क्या काम? शम्स ने कहा कि वर्तमान समय में

सनातन संस्कृति पर वैश्विक स्तर पर प्रहार हो रहे हैं, ऐसे में इसे संरक्षित करने के लिए कड़े कदम उठाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री आस्था के केंद्र हैं, पर्यटन के केंद्र नहीं।